✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 09 अंक - 334

कलम लोक

बक्सर, शनिवार 18 अप्रैल 2026

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"सत्य बोलने तक सीमित नहीं, वह चिंतन और कर्म का प्रकार है, जिसके साथ ऊंचा उद्देश्य अनिवार्य जुड़ा होता है।

मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी ने बाबा हरिहर नाथ मंदिर पहुंचकर की पूजा-अर्चना

पहली बार पटना से बाहर निकले सम्राट चौधरी, सपरिवार पहुंचे सोनपुर

पटना (एजेंसी)। बिहार का मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी शुक्रवार को पहली बार राजधानी पटना से बाहर निकले। वह सारण जिले के सोनपुर पहुंचे। सीएम के साथ उनकी पत्नी, बेटा, बेटी एवं एक अन्य रिश्तेदार मौजूद रहे। सम्राट ने अपने परिवार के साथ सोनपुर के बाबा हरिहर नाथ मंदिर में पूजा और अर्चना की। सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को पटना के लोकभवन में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद से वह प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाकर आशीर्वाद ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजकर 15 मिनट पर सोनपुर पहुंचे। उन्होंने बाबा हरिहरनाथ की पूजा-अर्चना के साथ ही लघु रुद्राभिषेक भी किया। मंदिर कमेटी ने प्रतीक चिह्न, शॉल , बुके और फूल-माला के साथ सीएम का स्वागत किया। मंदिर कमेटी के लोगों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनपुर का विकास हो रहा है। कॉरिडोर के निर्माण के साथ इसे हम लोगों ने गोद भी लिया है। लगभग 35 मिनट तक पूजा करने के बाद पटना वापस लौट गए। सख्त सुरक्षा की वजह से कार्यकर्ताओं को सिर्फ सीएम के स्वागत का ही मौका मिल पाया।

बताया जा रहा है कि सीएम सम्राट चौधरी का सोनपुर दौरा अनाचक तय हुआ। शुक्रवार सुबह तक स्थानीय प्रशासन को इस बारे में कोई निर्देश नहीं मिले थे। जैसे ही सीएम के आगमन की सूचना मिली, जिला प्रशासन और मंदिर कमेटी ने तैयारियां शुरू कर दीं। मंदिर परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई। जिले के वरीय अधिकारी भी वहां पहुंच गए और उन्होंने व्यवस्था का जायजा लिया। सम्राट बाबा हरिहर नाथ धाम में दर्शन के लिए पहले भी आते रहे हैं, लेकिन सीएम बनने के बाद उनका यह पहला सोनपुर दौरा है। गंगा और गंडक नदी के संगम पर स्थित सोनपुर मे भगवान विष्णु और शिव को समर्पित प्राचीन मंदिर है। सम्राट चौधरी ने गुरुवार को तख्त श्री हरिमंदिर पटना साहिब गुरुद्वारा में भी मत्था टेका था। बुधवार को सीएम पद की शपथ लेने से पहले वह पटना के राजवंशी नगर स्थित पंचरूपी हनुमान मंदिर पहुंचे थे और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया था।

सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद दो दिन पटना में ही सक्रिय रहे। दोनों दिन उन्होंने वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें योजनाओं को समय से पूरा करने समेत अन्य दिशानिर्देश दिए। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहले दिन उनका भाजपा कार्यालय में अभिनंदन भी हुआ था। इसके बाद गुरुवार को उनके आवास पर कई विधायक, एमएलसी एवं जनप्रतिनिधि अभिनंदन के लिए पहुंचे थे। शुक्रवार सुबह उन्होंने मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में जनगणना के प्रथम चरण की शुरुआत की। सुबह सीएम के आवास पर जनता दरबार भी लगा। बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंचे और नवनियुक्त मुख्यमंत्री के सामने अपनी समस्या रखी। फिर दोपहर में वे सोनपुर में बाबा हरिहरनाथ का दर्शन करने पहुंचे।

महिला आरक्षण की राह में महाब्रेक

लोकसभा में गिरा संविधान संशोधन बिल, पक्ष में पड़े सिर्फ 298 वोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल यानी 131वें संविधान संशोधन विधेयक पर दो दिनों तक लगातार चली चर्चा के बाद आज (शुक्रवार, 17 अप्रैल को) शाम हुई वोटिंग में ये बिल गिर गया है। यानी ये संविधान संशोधन बिल लोकसभा से पारित नहीं हो सका। कुल 298 सांसदों ने इस बिल के पक्ष में मतदान किया, जबकि 230 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया। मतदान में कुल 528 सांसदों ने हिस्सा लिया। बता दें कि महिला आरक्षण 2023 में ही पारित हो चुका है, जिसमें इसे जनगणना और परिसीमन के बाद लागू करने का प्रावधान है। 131वें संविधान संशोधन विधेयक इसे लागू करने से जुड़े पहलुओं को स्पष्ट करने से संबंधित था।

सदन में मौजूद सांसदों के इस संख्या के हिसाब से बिल पारित होने के लिए दो तिहाई यानी 352 वोटों की दरकार थी, जो नहीं मिल सका। बता दें कि संविधान के आर्टिकल 368 के तहत आने वाले विषयों पर संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। बिल के पक्ष में पड़े वोटों की बात करें तो सत्ता पक्ष के पास कुल 293 सांसदों का समर्थन हासिल था, जबकि उससे पांच वोट ज्यादा मिले लेकिन विपक्ष के बड़े दलों ने एकजुट होकर इस बिल के लिए जरूरी दो तिहाई संख्या बल जुटने नहीं दिया।

इस तरह लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। सरकार ने इस विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 को भी सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखा था, लेकिन उन्हें भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

अन्य दो बिल आगे नहीं बढ़ा रहे

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने के बाद अब इससे संबंधित दोनों विधेयकों परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 को आगे नहीं बढ़ा सकते।

राहुल ने कहा पुराना बिल लागू करें

लोकसभा में बिल गिरने के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि यह महिला आरक्षण विधेयक नहीं था बल्कि चुनावी ढांचे को बदलने की कोशिश थी...यह संविधान पर आक्रमण था.. इसलिए इसे हमने गिरा दिया है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला आरक्षण लागू करने चाहते हैं तो 2023 में पारित बिल को लागू करें। कांग्रेस पार्टी उनके साथ है।

फ्लाइंग किस देते हैं

राहुल गांधी पर बरसे अमित शाह, बोले- प्रियंका से सीखें बोलने की कला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण बिल में संशोधन समेत अन्य विधेयकों पर लोकसभा में दो दिनों तक चली चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान, शाह ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा तो उनकी बहन और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सदन में बोलने की कला राहुल गांधी को अपनी बहन प्रियंका गांधी से सीखनी चाहिए। शाह ने राहुल पर सत्र के बीच में विदेश जाने, फ्लाइंग किस देने, सदन के रास्ते में चाय-पकौड़े खाने के आरोप भी लगाए।

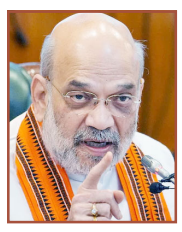

अमित शाह ने राहुल गांधी की पीएम मोदी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भाषा पर सवाल उठाए और कहा कि अपशब्दों, असंसदीय शब्दों की भरमार लग जाती है। कभी आंख मारते हैं तो कभी सदन के रास्ते पर चाय पकौड़े खाते हैं बैठकर। यह किस प्रकार का विपक्ष के नेता का बिहेवियर है, भाषा है। यह भाषा पूरा देश सुन रहा है। आपका और आपकी पार्टी दोनों का परिचय देश को हो रहा है। संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं, फ्लाइंग किस करते हैं, धक्का-मुक्की करते हैं। बाहर बयानबाजी करते हैं कि सरेंडर हो गए। स्पीकर को बार-बार रोकना पड़ता है। सत्र छोड़कर विदेश चले जाते हैं। यह भाषाओं में तीव्रता से भावनाएं व्यक्त नहीं होती हैं। सदन में बोलने की कला आपके बहुत सारे सीनियर लोग हैं, उनसे सीख लें। अगर सीनियर लोग न हों तो प्रियंका गांधी ही हैं, उनसे सीख लें कि सदन में कैसे बोलना चाहिए।

दोहरी नागरिकता के मामले में राहुल गांधी पर एफआईआर का आदेश

इलाहाबाद (एजेंसी)। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास दोहरी नागरिकता होने के आरोपों की जांच आवश्यक है। न्यायालय ने लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देते हुए यह भी कहा कि उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह या तो स्वयं जांच करे या मामले को जांच के लिए किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंप दे।

यह टिप्पणी भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें उन्होंने लखनऊ की विशेष सांसद/विधायक अदालत द्वारा 28 जनवरी को पारित आदेश को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने कांग्रेस नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

एलपीजी ही एलपीजी होगी

होर्मुज स्ट्रेट के खुलने का भारत पर क्या असर, अब कम होगी महंगाई?

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर लगे प्रतिबंध को व्यापारिक जहाजों के लिए हटाने का ऐलान किया है। तेहरान की तरफ से कहा गया कि लेबनान और इजरायल के बीच हुए सीजफायर के बाद इस्लामिक सरकार ने होर्मुज को व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित रूप से खोलने फैसला लिया है। ईरान के इस फैसले के बाद भारत में एलपीजी और कच्चे तेल के मामले में राहत मिलने की संभावना है। अभी हाल ही में जब ईरान ने होर्मुज खोलने का ऐलान किया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, ईरान की तरफ से यह छूट केवल सीजफायर जारी रहने की अवधि तक ही है। लेकिन इसके आगे बढ़ने की संभावना है।

होर्मुज के खुलने से ऊर्जा संकट के मुहाने पर बैठी दुनिया को थोड़ी राहत मिली है। भारत के लिए भी यह एक बड़ी राहत की बात है। होर्मुज के खुलने से खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीय जहाज जल्द से जल्द देश वापस आ पाएंगे। इससे भारत में बढ़ते एलपीजी संकट से भी राहत मिल सकती है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो जल्दी ही और भी जहाज खाड़ी की तरफ रवाना हो सकते हैं। 28 फरवरी को तेहरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद से ईरान ने होर्मुज को बंद करने की शुरुआत कर दी थी। ईरान ने सबसे पहले यहां से गुजरने वाले जहाजों को चेतावनी दी और उसके बाद उसने एक जहाज पर हमला कर दिया। इसके बाद होर्मुज से आवाजाही पूरी तरह से ईरान के हाथ में आ गई। इस युद्ध के दौरान कई देशों के जहाज इस रास्ते से गुजरे हैं, लेकिन इन जहाजों को ईरान से इजाजत लेनी पड़ी थी। इस दौरान भारत के भी कुछ जहाज यहां से निकले थे। होर्मुज के रास्ते भारत समेत दुनिया के तमाम देशों की ऊर्जा आपूर्ति होती है। जब यह बंद हुआ, तो वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें आसमान छूने लगी। इसके असर को ऐसे समझा जा सकता है कि कीमतों को कम करने के लिए अमेरिका को रूसी तेल पर लगे प्रतिबंध को हटाना पड़ा।

अभी भी फंसी हुई है बात

होर्मुज का खुलना भले ही दुनिया के लिए एक बड़ी खुशखबरी की तरह सामने आया है, लेकिन अभी भी स्थिति सामान्य नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच में जब तक शांति समझौता नहीं हो जाता, तब तक यह रास्ता पूरी तरह से सुरक्षित नहीं कहा जा सकता है। अभी जहाजों के बीमा की फीस बढ़ी ही रह सकती है, जिसकी वजह से शिपिंग कंपनियों को लगातार नुकसान उठाना पड़ सकता है। अभी कई देश इस क्षेत्र में अपने जहाजों को भेजने से परहेज भी करेंगे क्योंकि अगर फिर से दोनों देशों के बीच में विवाद बढ़ता है, तो जहाजों के फंसने का खतरा बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज अगर अपनी पूरी क्षमता के साथ भी काम करना शुरू कर देता है, तब भी स्थिति को सामान्य होने में करीब 6 महीने से ज्यादा का वक्त लगेगा।

खाड़ी क्षेत्र से भारत की ऊर्जा जरूरत का एक बड़ा हिस्सा पूरा होता है। इसके फिर से खुलने से शिपिंग मार्ग अब सामान्य स्थिति में आने की संभावना बढ़ गई है। अभी होर्मुज के बंद होने से वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो गई थी। अब इनके धीरे-धीरे कम होने के आसार है, जिससे स्थानीय स्तर पर भी रिफाइनरियों और तेल कंपनियों को फायदा होगा। इससे घरेलू स्तर पर गैस और तेल की कीमतों में कमी आएगी। होर्मुज के फिर से खुल जाने की वजह से भारत से खाड़ी देशों में सामान भेजने वाले व्यापारियों को भी राहत मिलेगी। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र के केला किसान, जो होर्मुज के बंद होने की वजह से अपनी फसलों के सही दाम नहीं ले पा रहे थे, उनके लिए यह एक राहत की बात होगी।

एयर इंडिया के पायलट के पास से बरामद हुआ गांजा

सेन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एक उड़ान में यात्री के तौर पर सफर करने वाले एअर इंडिया के एक पायलट के पास कथित तौर पर गांजा (मारिजुआना) बरामद किया गया, जिसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें वापस भेज दिया। विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, हमारे चालक दल के एक सदस्य एक आगामी उड़ान के संचालन के लिए 14 अप्रैल को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को पहुंचे थे, जिन्हें स्थानीय कानूनों के अनुसार प्रवेश के लिए अयोग्य पाया गया और वापस भारत भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार, सह-पायलट के पास कथित रूप से मादक पदार्थ गांजा मिला था। एअर इंडिया ने बताया कि इस मामले में आंतरिक जांच शुरू कर दी गई है और कंपनी की नीतियों के अनुसार कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकटों से हराया, गिल ने खेली दमदार पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 25वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 5 विकेट से हरा दिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेऔर ने 181 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे शुभमन गिल की 86 रनों की पारी की मदद से जीटी ने 5 विकेट खोकर 19.4 ओवर में हासिल कर लिया।

इस मैच में टॉस जीतकर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्ये रहाणे ने बल्लेबाजी करने का फैसला किया जो पूरी तरह से गलत साबित हुआ और केकेआर के शुरुआती तीन विकेट जल्दी आउट हो गए। इसके बाद कैमरन ग्रीन और रोवमैन पॉवेल ने स्थिति को संभाला लेकिन कैमरन ग्रीन की 79 रनों की पारी के बाद भी टीम 20 ओवर में 180 रन ही बना सकी। आखिर के पांच ओवर में जीटी के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 35 रन दिए और 5 विकेट चटकाए।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान शुभमन गिल ने 50 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली। अन्य बल्लेबाजों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। अंत में मैच थोड़ा फंसता हुआ दिखा, लेकिन इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए शाहरुख खान ने आसानी से इस मैच को जिताने में अहम भूमिका निभाई। 19.4 ओवर में जीटी ने इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस हार के साथ केकेआर की टूर्नामेंट में 5वीं हार है. जबकि जीटी ने 3 मुकाबले जीत लिए हैं।

कांग्रेस ने वेदांता पर मानव वध का मामला दर्ज करने की मांग की

रायपुर/सक्ती (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता लिमिटेड के पावर प्लांट में हुए धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर अब 21 हो गई है। 21वीं मौत रायपुर के काल्डा अस्पताल में एक और मजदूर ने चोटों के कारण हुई है। डाक्टरों ने कहा कि पांच अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है और नौ लोग भी देखरेख में हैं।

विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के विधायक चरण दास महंत ने वेदांता समूह के अधिकारियों के लिए खिलाफ हत्या की श्रेणी में न आने वाले मानव वध का मामला दर्ज करने की मांग की। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान चरण दास महंत ने कहा, मामले में हमें एसडीएम स्तर की जांच के बजाय एक न्यायिक जांच की जरूरत है। जो घायल हैं, उनका मुंबई या कोयंबतूर के स्पेशल बर्न यूनिट में इलाज कराया जाना चाहिए।

सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी, आरोपी शेखर यादव गुजरात से गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को मुंगेर पुलिस ने गुजरात के साणंद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान बांका के मूल निवासी शेखर यादव के रूप में की गई है। मुंगेर पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड लेकर बिहार ला रही है। इस खबर के सामने आने के बाद राज्य के पुलिस महकमे में खलबली मच गयी है। धमकी दिए जाने के बाद बिहार पुलिस कांड दर्ज करके गुप्त तरीके से छानबीन कर रही थी।

रिपोर्ट के अनुसार आरोपी गुजरात में रहकर मजदूरी कर रहा था। वह बांका जिले का रहने वाला है। उसके मोबाइल से सीएम को जान से मर देने का कॉल किया गया था। इस मामले में मुंगेर के संग्रामपुर थाने में केस दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही थी। वैज्ञानिक जांच में धमकी देने वाले नंबर के मोबाइल का टावर लोकेशन गुजरात मिला। बिहार पुलिस ने गुजरात जाकर अहमदाबाद पुलिस से संपर्क किया और फिर मोबाइल नंबर का लोकेशन ट्रैक करते हुए आरोपी को दबोच लिया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उसे बिहार लाया जा रहा है।

पुलिस आरोपी शेखर यादव को लेकर अहमदाबाद से मुंगेर के लिए रवाना हो चुकी है। बांका में उसके स्थाई निवास स्थान पर पुलिस की छानबीन शुरू हो गई है। पता लगाया जा रहा है कि उसकी ओर से सम्राट चौधरी को इतनी बड़ी धमकी क्यों दी गयी। क्या उसके पीछे कोई और है या उसने खुद अपने स्तर से ऐसा काम किया है? यह भी जानना जरूरी हो गया है कि इसके पीछे किसी गैंग का हाथ तो नहीं है। इन तमाम सवालों का जवाब तो बाद में मिलेगा पर फिलहाल सीएम को जान से मारने की धमकी की खबर से सनसनी फैल गई है। दो दिन पहले ही सम्राट चौधरी ने सीएम के रूप में शपथ ली है।

बिहार का गृहमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी ने कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी थी। इसका काफी असर भी दिखा। बड़ी संख्या बदमाशों को पुलिने ऑपरेशन लंगरा चलाकर शांत कर दिया। वैशाली में सोना लूट के कुख्यात को मार गिराया। सीएम बनने के बाद सुसाशन और लॉ एंड ऑर्डर को सरकार की प्राथमिकता में गिनाया था। ऐसे में सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी की खबर चौंकाने वाली है। पुलिस छानबीन कर रही है और आरोपी गिरफ्तार हो गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी।

नीतीश कुमार का पटना के बाद दिल्ली में भी पता बदला, कामराज लेन से सुनहरी बाग शिफ्ट, कैसा है नया बंगला?

पटना (संवाददाता)। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार का पटना के बाद दिल्ली में भी पता बदल गया है। बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ने और राज्यसभा सांसद बनने के बाद नीतीश को राष्ट्रीय राजधानी के वीवीआईपी इलाके लुटियंस दिल्ली में नया सरकारी आवास आवंटित हुआ है। नीतीश का दिल्ली में पुराना पता 6, कामराज लेन था, जो बदलकर 9, सुनहरी बाग रोड हो गया है। इसके साथ ही उन्हें जेड प्लस कैटगरी की सुरक्षा भी प्रदान की गई है, जो देश भर में लागू रहेगी। पहले उनके पास सीएम वाली विशेष सुरक्षा व्यवस्था थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार सुनहरी बाग का इलाका दिल्ली के सबसे वीवीआईपी इलाकों में से एक है, जो लुटियंस दिल्ली का हिस्सा है। नीतीश को जो नया सरकारी आवास आवंटित हुआ है, वो टाइप-8 कैटगरी का है। दिल्ली में सरकारी आवासों को टाइप-1 से लेकर टाइप-8 तक की कैटगरी में बांटा गया है। टाइप-8 सबसे टॉप कैगटरी होती है। बताया जा रहा है कि ऐसे बंगले सिर्फ प्रमुख संवैधानिक पदों पर आसीन या रह चुके हाई प्रोफाइल लोगों को ही आवंटित किए जाते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, पूर्व उपराष्ट्रपति वैंकया नायडु और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जैसे बड़े नेताओं को अभी इसी तरह का आवास मिला हुआ है। अब नीतीश कुमार का नाम इस सूची में शामिल हो गया है। नीतीश अभी राज्यसभा सांसद हैं, लेकिन लगभग दो दशक तक बिहार जैसे प्रमुख राज्य के मुख्यमंत्री रहे, केंद्रीय मंत्री भी रहे और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो नीतीश कुमार को नई दिल्ली में जो नया सरकारी आवास आवंटित हुआ है, वो हाई सिक्योरिटी जोन में आता है। आवास में 27×7 कड़ी सुरक्षा रहेगी। सुरक्षाकर्मी शिफ्ट वाइज हर समय तैनात रहेंगे। 24 घंटे सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। एक तरह से कहा जाए तो आवासीय परिसर में बिना अनुमति के एक परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। दिल्ली में टाइप-8 कैटगरी के सरकारी आवास काफी बड़े और सभी सुविधाओं से युक्त होते हैं। इनका क्षेत्रफल लगभग 8000 से 8500 वर्गफीट होता है। इसमें 5-6 बेडरूम, एक बड़ा लिविंग एरिया, डाइनिंग एरिया, स्टडी रूम, गैरेज, बंगले के आगे और पीछे की तरफ बड़ा लॉन जैसी सुविधाएं होती हैं। बिहार का मुख्यमंत्री रहते नीतीश कुमार को लुटियंस दिल्ली में ही कामराज लेन पर आवास आवंटित था। नीतीश जब भी दिल्ली जाते थे तो यहीं ठहरते थे। जदयू के वरीय नेता भी इसी आवास पर नीतीश से मुलाकात और बैठक करने आते थे।

पटना में भी बदला पता

मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद बिहार की राजधानी पटना में भी पता बदल चुका है। नीतीश कुमार को पटना के 7, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास आवंटित किया गया है। वह जल्द ही 1, अणे मार्ग वाला मुख्यमंत्री आवास छोड़ देंगे। इसमें नए सीएम सम्राट चौधरी शिफ्ट होंगे। 1, अणे मार्ग आवास से नीतीश का सामान 7, सर्कुलर रोड बंगले में शिफ्ट भी किया जा रहा है।

जदयू विधायक दल की बैठक 20 अप्रैल को, नीतीश कुमार के बाद किसे नया नेता चुनेगी पार्टी?

पटना (संवाददाता)। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड ने 20 अप्रैल को विधायक दल की बैठक बुलाई है। संभावना है कि इसमें विधायक दल का नया नेता चुना जाएगा। नीतीश ने पिछले दिनों बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के नेता सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने। सम्राट के नेतृत्व वाली सरकार में जदयू से दो नेताओं विजय चौधरी एवं बिजेंद्र यादव को डिप्टी सीएम बनाया गया, लेकिन सदन में पार्टी का अभी कोई नेता नहीं है।

अब तक नीतीश कुमार ही जदयू विधान मंडल दल के नेता थे, लेकिन वह राज्यसभा चले गए हैं, तो आगामी बैठक में नया नेता चुना जा सकता है।

फिलहाल, डिप्टी सीएम विजय चौधरी के जदयू विधायक दल का नेता बनाए जाने की अटकलें चल रही हैं। वह सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार में नंबर दो की हैसियत से डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। उनके साथ 15 अप्रैल को जदयू के वरीय नेता बिजेंद्र प्रसाद यादव ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन उन्हें पार्टी विधायक दल का नेता बनाए जाने की संभावना कम हैं। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने हाल ही में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया। लगभग दो दशक तक इस पद पर काबिज रहने वाले नीतीश ने पिछले महीने राज्यसभा जाने का फैसला लिया था। 16 मार्च को उन्होंने राज्यसभा का चुनाव जीता। 30 अप्रैल को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से त्यागपत्र दिया। फिर दिल्ली जाकर 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। इसके बाद पटना आकर 14 अप्रैल को उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया और राज्य में एनडीए की नई सरकार के गठन की राह खोली।

नीतीश के इस्तीफे के बाद उनके बेटे निशांत कुमार के नई सरकार में डिप्टी सीएम बनने की चर्चा चल रही थी। हालांकि, फिर अंदरखाने से खबर आई कि निशांत अभी सरकार में आने को राजी नहीं हैं। इसलिए उनकी जगह दो वरीय नेताओं विजय चौधरी एवं बिजेंद्र यादव को डिप्टी सीएम बनाया गया। नीतीश के इस्तीफे के दिन ही जदयू विधायक दल की बैठक होनी थी, लेकिन उसे स्थगित कर दिया गया था। एक दिन पहले गुरुवार को निशांत कुमार ने पार्टी कार्यालय में मीडिया से बाततीत के दौरान स्पष्ट किया कि वह अभी संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।

गूगल पर सबसे ज्यादा पोर्न नेता देखते हैं; महिला आरक्षण पर चर्चा में ये क्या बोल गए पप्पू यादव

पटना (संवाददाता)। लोकसभा में महिला आरक्षण पर चर्चा के दौरान बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने एक चौंकाने वाला बयान दे दिया। सांसद ने दावा किया कि पोर्न देखने में नेता सबसे आगे हैं। गूगल पर सबसे ज्यादा पोर्न नेता ही देखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के साथ यौन शोषण करने वालों में भी पहले नंबर पर नेता ही आते हैं। सैकड़ों सांसदों पर यौन शोषण के आरोप लग चुके हैं और उनमें से कई चार्जशीटेड भी हैं।

पप्पू यादव ने गुरुवार रात को सदन में दिए गए अपने संबोधन में कहा कि 755 सांसदों पर यौन शोषण का आरोप लग चुका है। 155 सांसद पर चार्जशीट है। सबसे ज्यादा भारत में यदि किसी यौन शोषण का आरोप है, उनमें पहले नंबर पर नेता आते हैं। फिर बाबा और अफसर आते हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग महिलाओं के अधिकार की बात करते हैं। हमाम में सब नंगे हैं। सबसे ज्यादा गूगल पर पोर्न देखने की प्रवृत्ति नेताओं में ही है। सिनेमा, मीडिया से लेकर कॉर्पोरेट जैसे सेक्टर में 80 प्रतिशत महिलाओं के साथ यौन शोषण के मामले दर्ज नहीं हो पाते हैं।

पप्पू यादव ने कहा कि वह महिला आरक्षण के पक्ष में हैं। हालांकि, उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। सांसद ने कहा कि महिला आरक्षण पर संविधान संशोधन और परिसीमन का बिल लाने के लिए संसद के 3 दिन का सत्र बुलाने की क्या जरूरत थी। इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर ना किसी विशेषज्ञ समिति से चर्चा की गई। ना ही राज्यों से परामर्श किया गया और ना किसी समिति को इसे चर्चा के लिए सौंपा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को भौगोलिक क्षेत्रों का ज्ञान ही नहीं है और परिसीमन करने जा रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि जातिगत जनगणना होने के बाद इस बिल को लागू किया जाए।

पप्पू यादव ने अपने संबोधन में जिक्र किया कि देश में महिलाओं की पूजा तो हुई लेकिन उन्हें इज्जत नहीं मिली। सती प्रथा, विधवा प्रथा, दहेज, भ्रूण हत्या, बांझ, खिलाड़ियों का शोषण, घरेलू हिंसा आदि महिलाओं के साथ हुई। आज दिन तक महिलाओं को सम्मान नहीं मिल पाया।

17 दिन सांस अटकी रही, 19 लाख ले लिया

एटीएस के नाम पर बुजुर्ग दंपति को 17 रात सोने नहीं दिया

पटना (संवाददाता)।

बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित भगवानपुर स्थित एलएन मिश्रा बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज के रिटायर कर्मचारी हरेंद्र कुमार व उनकी पत्नी कांति देवी को लगातार 17 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर साइबर शातिरों ने करीब 19 लाख रुपये ठग लिए। 26 मार्च की शाम साढ़े चार बजे से लेकर 11 अप्रैल तक उनको कॉल पर रखा। शातिर लगातार 24 घंटे कॉल पर रहा। इस दौरान मुश्किल से दो घंटे भी दंपती सोए नहीं पाते थे। इस संबंध में हरेंद्र ने साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

उन्होंने पुलिस को बताया है कि एंटी टेररिस्ट स्क्वैड (एटीएस) अधिकारी बनकर साइबर शातिरों ने उन्हें 26 मार्च को पहली बार व्हाट्सअप कॉल की। उसने आधार नंबर बताते हुए झांसा दिया कि आपके इस आधार से एक सिम निकाली गई है। इसका इस्तेमाल आतंकी गतिविधि में की गई है। इसी आधार से केनरा बैंक में एक खाता खोला गया है, जिसमें आतंकी गतिविधि के लिए लेनदेन किए गए हैं।

इस तरह एटीएस अधिकारी बनकर गिरफ्तारी की बात बताकर डराने धमकाने लगा। लगातार कॉल पर रखा और इस दौरान वीडियो कॉलिंग भी की। इसके लिए अलग-अलग दो मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल साइबर शातिरों ने किया। 25 मार्च से पांच अप्रैल तक हरेंद्र के मोबाइल पर कॉल की गई। वहीं, उनकी पत्नी के मोबाइल नंबर पर पांच से 11 अप्रैल तक लगातार व्हाटसअप कॉल की गई।

इस दौरान उसने कहा कि एक आवेदन दीजिए कि केस की जांच कर मुझे माफ कर दिया जाए। तब हरेंद्र ने यह आवेदन भी दिया। उसने कहा कि इसके लिए रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार बैंक खाते में रुपये भेजने होंगे। डर के कारण हरेंद्र कुमार ने आरटीजीएस के माध्यम से साइबर शातिरों को रुपये भेजे।

बीते 30 मार्च को हरेंद्र बैंक गए। केरला के कोची शहर में किकोरा एक्सपोर्ट लि. के खाते में 5.60 लाख रुपये लिए। 31 मार्च और एक अप्रैल को बैंक में क्लोजिंग के कारण लेनदेन बंद रहने पर पुन: दो अप्रैल को हरेंद्र को लाइन पर रखकर बैंक ले गया।

मुम्बई के गोरेगांव स्थित जेटी शूकर प्रा.लि. के खाते में 7.10 लाख और कर्नाटक के अमीन रोड लाइन एंड इंटरप्राइजेज के खाते में 6.15 लाख रुपये आरटीजीएस के जरिए डालवाए। 18.85 लाख रुपये भेजने के बाद भी केस से निजात दिलाने के नाम पर और रुपये की मांग करने लगा तब हरेंद्र को साइबर ठगी और डिजिटल अरेस्ट का आभास हुआ।

ठगी के बाद जब सारी कहानी पुत्रों को बताई तो उन्होंने

हरेंद्र और उनकी पत्नी को ढांढ़स बंधाया। उन्हें डर था कि शोक व खौफ में कहीं उनके माता-पिता आत्महत्या न कर लें। बेटों ने कहा, रुपये चला गया तो फिर आ जाएंगे।

रिटायर कर्मी हरेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें दो पुत्र है। एक इलाहाबाद और एक कोलकाता में बैंक में पोस्टेड है। सभी अपने परिवार के साथ उसी शहर में रहते हैं। वह पति-पत्नी सदर थाना के भगवानपुर यादव नगर के निकट श्रीकृष्ण बिहार कॉलोनी स्थित आवास में रहते हैं। बताया कि 17 दिनों के डिजिटल अरेस्ट के दौरान जान जोखिम में पड़ी रही। साइबर शातिरों के पास उनका केवल आधार कार्ड ही नहीं था। वह पूरे परिवार का ब्योरा लिए हुए थे। इस दौरान किसी रिश्तेदार की कॉल भी आई तो केवल खैरियत वगैर तक ही बात करने दिया।

बिहार में नीतीश के हटते ही शराब का शोर

जेडीयू विधायक अनंत सिंह भी बैन के नुकसान गिनाने लगे

पटना (संवाददाता)। नीतीश कुमार के सीएम पद से हटते ही शराबबंदी कानून पर शोर मचने लगा है। सरकार में शामिल दलों के विधायक ही बिहार को शराबबंदी से होने वाले नुकसान गिनाने लगे हैं। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक माधव आनंद के बाद जदयू के विधायक अनंत सिंह ने भी शराबबंदी को समाप्त कर शराब की बिक्री को चालू करने की वकालत की है। उन्होंने कहा है कि शहर से लेकर गांव तक लोग शराब पी रहे हैं। इसलिए शराबबंदी कानून को हटाकर इसे चालू कर देना चाहिए।

अनंत सिंह ने कहा है कि जब बिहार में शराबंदी कानून को लाया गया था तब उससे समर्थन में था। कुछ दिन सब ठीक रहा। लेकिन, पीने वाले शराब पी ही रहे हैं। कोई रोड पर नहीं दिखता है पर छिपकर शराब पीने का काम चल रहा है। सही शराब नहीं मिलने से गलत सलत नशा करके वे बीमार हो रहे हैं। सरकार शराब की बिक्री को चालू कर दे और पीकर सड़क पर चलने वालों को जेल में बंद करे। इससे राज्य को होने वाला राजस्व का नुकसान भी नहीं होगा। उन्होंने कहा है कि सीएम सम्राट चौधरी से मिलकर शराबबंदी हटाने को लेकर बात करेंगे क्योंकि इससे राज्य को नुकसान और धंधेबाजों को लाभ हो रहा है। पहले भी अनंत सिंह शराब चालू करने की मांग कर चुके हैं। इससे पहले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक आनंद माधव ने गुरुवार को सीएम से मिलने के बाद कहा था कि शराबबंदी के बहुत नुकसान हो रहा है।

शराब को बंद करने से अधिक लोगों को जागरुक होने की जरूरत है। दस सालों तक राज्य में शराबबंदी लागू रहा। इससे गलत लोगों को फायदा हुआ। राज्य में शराबबंदी कानून की कोई आवश्यकता नहीं है। इससे राजस्व की हानि हो रही है। अर्थशास्त्री होने के नाते आज फिर से कह रहा हूं कि बिहार में शराबबंदी की कोई जरूरत नहीं है बल्कि, जागरुकता पैदा करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शरबबंदी कोई समाधान नहीं हो सकता। बिहार को राजस्व का बहुत नुकसान हो रहा है। बिहार को विकसित बनाने के लिए फंड की आवश्यकता है जिसकी कमी महसूस की जाती है। हमारे राज्य का राजस्व दूसरे राज्यों और देशों में जा रहा है। शराबबंदी नीतीश कुमार की ऐतिहासिक पहल थी। इसके दस साल हो गए। अब इसकी समीक्षा होनी चाहिए। शराबबंदी कानून को समाप्त करने की वकालत दबी जुबान में केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी भी कई बार कर चुके हैं। वे अक्सर कहते हैं कि इस कानून से गरीबों का काफी नुकसान हुआ। बड़े लोग महंगी शराब खरीद कर पीते हैं और गरीब आदम गलत दारू पीने से मर जाता है। गरीब तबके के लाखों लोग जेलों में बंद हैं। सरकार को इस कानून की समीक्षा करना चाहिए।

मिट्टी में दबकर ननद और भौजाई की मौत, पूर्णिया में कैसे हुआ दर्दनाक हादसा

पूर्णिया (संवाददाता)।

बिहार के पूर्णिया जिले में शुक्रवार शाम को एक दर्दनाक हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। दोनों रिश्ते में ननद और भौजाई लगती थीं। मिट्टी के नीचे दबने से उनकी जान चली गई। घटना बायसी थाना क्षेत्र के सुगवामहानंदपुर पंचायत अंतर्गत मसनतपुर गांव में हुई। एक ही परिवार को दो महिलाओं की एक साथ मौत होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। घर के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार दोनों महिलाएं शाम करीब पांच बजे जलकरिया नदी किनारे घर के लिए मिट्टी लाने गई थीं। इसी दौरान मिट्टी काटने के क्रम में नदी किनारे बना बड़ा टीला अचानक भरभराकर उन पर गिर पड़ा, जिससे दोनों मिट्टी के नीचे दब गईं। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान बारिक की पत्नी बीबी हसमती (35 वर्ष) तथा उसकी बहन सेमी खातून (19 वर्ष) के रूप में हुई है। सेमी खातून की अभी शादी नहीं हुई थी, जबकि बीबी हसमती अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं। एक ही परिवार की दो महिलाओं की अचानक मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी शोक का माहौल है। थानाध्यक्ष शिवकुमार पासवान ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही डेंगराह ओपी पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

मण्डल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के आवंटन हेतु ई-नीलामी (E-AUCTION) किया जाना है। **ऑक्शन कैटलॉग नम्बर BSB04PAYnUSE26. कार्य का विवरण:** बेल्थरा रोड स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालय का ठेका; **ई नीलामी का समय:** 10:00 बजे से 10:30 बजे तक; **कार्य का विवरण:** करीमुद्दीन स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालय का ठेका; **ई नीलामी का समय:** 10:00 बजे से 10:40 बजे तक; **कार्य का विवरण:** छपरा जं. स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालय का ठेका; **ई नीलामी का समय:** 10:00 बजे से 10:50 बजे तक; **कार्य का विवरण:** सीवान जं. स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालय का ठेका; **ई नीलामी का समय:** 10:00 बजे से 11:00 बजे तक। **अवधि:** उपरोक्त सभी के लिए **03 वर्ष। ई-नीलामी की तिथि:** उपरोक्त सभी के लिए **01.05.2026.** • ई-नीलामी (E-Auction) IREPS पोर्टल पर ऑनलाईन होगी। • ई-नीलामी (E-Auction) में भाग लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर ₹10,000/- (Non Refundable) ऑनलाईन जमा कर एक बार (One time Registration) करना आवश्यक है। साथ ही उसे SBI (स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया) में करेंट खाता हो, जिसे IREPS पोर्टल से लिंक करना आवश्यक होगा। • ई-नीलामी (E-Auction) से संबंधित नियम एवं शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल **www.ireps.gov.in** के E-Auction Leasing Section में उपलब्ध है।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक,
मुजाधि/वाणिज्य-13 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

अंधेरे में टावर पर चढ़कर रोने लगी लड़की, 8 घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा

मधुबनी (संवाददाता)। मधुबनी जिले के हरलाखी स्थित एक गांव में लड़की के टावर पर चढ़ने से 8 घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा चला। अंधेरे में टावर पर चढ़ी लड़की जब रोने लगी तो लोग भूत-प्रेत समझने लगे। सुबह जब लड़की को टावर पर देखा तो भारी भीड़ उमड़ी, जिससे लंबा जाम लग गया।

बिहार के मधुबनी जिले के हरलखी में शुक्रवार को एक लड़की के टावर पर चढ़ने की वजह से घंटों हाईवोल्टेज ड्रामा चला। तड़के 4 बजे अंधेरे में ही लड़की मोबाइल टावर पर चढ़ गई। जब वह ऊपर से रोने लगी तो लोग डरने लग गए। उन्हें लगा कि कोई भूत-प्रेत आ गया है। सुबह जब सूरज निकला और दिन खिलने लगा तो स्थानीय लोगों को टावर पर लड़की दिखाई दी। तब जाकर ग्रामीणों को वास्तविकता पता चली। लड़की टावर के बीच में खड़ी हुई थी। यह वाकया उमगांव-बेनीपट्टी मुख्य सड़क किनारे हरलाखी थाना क्षेत्र के कौआहा गांव का है। टावर पर चढ़ी लड़की को देखकर लोग अपने मोबाइल पर वीडियो बनाने लगे। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने डायल 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचते ही लड़की और ऊपर चढ़कर टावर के शीर्ष हिस्से पर पहुंच गई। घंटों तक टावर पर चढ़ी लड़की का हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। इधर पुलिस लगातार लड़की को नीचे उतारने की कोशिश में लगी रही। लेकिन वह टावर से नीचे उतरने का नाम नहीं ले रही थी। टावर पर चढ़ी लड़की को देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

महिला आरक्षण के अंदर 15 प्रतिशत कोटा मिले, तो ऐतराज नहीं; लालू यादव ने शेयर किया पुराना वीडियो

पटना (संवाददाता)। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि महिला आरक्षण के भीतर एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण होना चाहिए। उन्हें कम से कम 15 फीसदी वंचित तबके को भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के अंदर दलित और पिछड़ी महिलाओं को 15 प्रतिशत कोटा मिलता है, तो उन्हें इस विधेयक से ऐतराज नहीं है। शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लालू ने बयान जारी कर उनका पुराना वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वे दलित, पिछड़ी और अल्पसंख्यक महिलाओं को 15 प्रतिशत आरक्षण देने का मुद्दा सदन में उठाते नजर आए थे।

लालू यादव ने लिखा कि दशकों से सड़क से लेकर संसद तक हमारी यह मांग रही है कि महिला आरक्षण विधेयक पारित करिए, लेकिन महिला आरक्षण के अंदर वंचित तबके के लिए अलग से आरक्षण होना चाहिए। संसद में दिए अपने भाषण का वीडियो साझा करते हुए लालू प्रसाद ने कहा कि गरीब महिलाओं को भागीदारी हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कम से कम 15 फीसदी वंचित तबके को भागीदारी मिले। तब इस आरक्षण को लेकर कोई ऐतराज नहीं होगा। अगर महिलाओं के प्रति दर्द है तो सरकार इसे लागू करे। देश की संस्कृति को आगे बढ़ाने वाली महिलाओं के हम पक्षधर है। अभी वंचित तबके की महिलाओं को समुचित भागीदारी नहीं मिल रही है। वहीं, लालू के बेटे तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाए कि सरकार चालाकी से इसमें डिलिमिटेशन का प्रस्ताव लेकर आई। 2023 में महिला आरक्षण विधेयक सदन से पारित हो गया था। तब मोदी सरकार ने कहा था कि इसे नई जातिगत जनगणना और परिसीमन के बाद 2034 से लागू करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि 3 साल तक इस विधेयक को अधिसूचित तक नहीं किया गया। अब महिला आरक्षण विधेयक की आड़ में भाजपा परिसीमन, संविधान बदलने, लोकतंत्र खत्म करने एवं संघीय ढांचे को कमजोर करना चाहती है। आरएसएस अपना एजेंडा लागू करना चाहता है।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ को प्रगति और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने में युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका : उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा

रायपुर।

छत्तीसगढ़ में युवाओं के सशक्त भविष्य और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित गरिमामय समारोह में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत चयनित 430 प्रयोगशाला परिचारकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक सुधार किए गए हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन में शुचिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'सुशासन एवं अभिसरण विभाग' का गठन किया गया है तथा मंत्रालय के कार्यों को ई-प्रणाली से जोड़ा गया है, जिससे भ्रष्टाचार के रास्तों को प्रभावी रूप से बंद किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व में हुए पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपकर सरकार ने यह संदेश दिया है कि पारदर्शिता और न्याय सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही भर्ती परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए कड़े कानूनी प्रावधान किए गए हैं, जिससे परीक्षाओं की विश्वसनीयता और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने आगे कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं को सरल और सुलभ बनाने के लिए 'छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल' के गठन तथा एक निश्चित 'परीक्षा कैलेंडर' लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक नीति के माध्यम से निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। उद्योगों को प्रोत्साहन देकर रोजगार सृजन को गति दी जा रही है, ताकि सरकारी नौकरियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र भी युवाओं के लिए सशक्त विकल्प बन सके। मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त कर्मचारियों से निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने इस भर्ती प्रक्रिया को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुशासन के सिद्धांतों पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक पहल है। मंत्री श्री वर्मा ने बताया कि पदस्थापना प्रक्रिया में भी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए काउंसलिंग प्रणाली अपनाई गई। यह व्यवस्था सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह नई पीढ़ी छत्तीसगढ़ को प्रगति और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हाल ही में लैब टेक्नीशियन और अब प्रयोगशाला परिचारकों की नियुक्तियाँ इस दिशा में सरकार की सक्रियता का स्पष्ट प्रमाण हैं। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त डॉ. संतोष देवांगन सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सिलगेर के माड़वी कोसा ने अपने हाथों से बनाया अपना घर, मुख्यमंत्री ने सौंपी खुशियों की चाबी

कच्ची झोपड़ी से पक्के सपनों तक, शासकीय योजनाओं ने बदली तक़दीर

रायपुर।

ग्राम पंचायत सिलगेर विकासखंड कोन्टा के हितग्राही श्री माड़वी कोसा के लिए वर्षों पुराना सपना अब साकार हो गया है। जो परिवार कभी कठिन परिस्थितियों में जर्जर झोपड़ी में जीवन गुजार रहा था, आज उसी परिवार के पास एक सुरक्षित, सम्मानजनक और मजबूत पक्का आवास है। नियद नेल्लानार योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के संयुक्त प्रयासों ने उनके जीवन में वह बदलाव ला दिया, जिसने संघर्ष को उम्मीद में बदल दिया।

इस बदलाव की असली नींव बनी रूरल मेसन ट्रेनिंग, जिसे मेरापथ एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त कर श्री कोसा ने न केवल निर्माण कार्य की तकनीक सीखी, बल्कि आत्मविश्वास के साथ अपने ही हाथों से अपने घर का निर्माण कर दिखाया। यह कहानी केवल एक मकान बनने की नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के आत्मनिर्भर बनने और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ने की प्रेरक मिसाल बन गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत श्री कोसा को 1.20 लाख रुपए की आवास स्वीकृति मिली। इसके साथ ही मनरेगा अभिसरण से 95 मानव दिवस एवं 23,085 रुपए की मजदूरी सहायता प्रदान की गई, जिससे निर्माण कार्य को गति मिली। वहीं स्वच्छ भारत मिशन से 12,000 रुपए की राशि से शौचालय निर्माण, सोलर पैनल से रोशनी की सुविधा और नल-जल व्यवस्था से घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से उनके परिवार का जीवन अब सुविधाजनक और सुरक्षित बन गया है। इस प्रेरणादायक परिवर्तन पर कलेक्टर श्री अमित कुमार ने इसे जिले के लिए मॉडल बताते हुए कहा कि योजनाओं का सही क्रियान्वयन और कौशल विकास मिलकर परिवारों को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। वहीं जिला पंचायत सीईओ श्री मुकुंद ठाकुर ने इसे सफल उदाहरण बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण से गुणवत्ता बढ़ती है और हितग्राही स्वयं सशक्त बनता है। मुख्यमंत्री प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्री कोसा से संवाद कर उन्हें साल-श्रीफल एवं सांकेतिक चाबी भेंट कर सम्मानित किया। आज श्री माड़वी कोसा का यह पक्का घर केवल ईंट-पत्थर का निर्माण नहीं, बल्कि संघर्ष से सफलता तक की वह कहानी है जो पूरे क्षेत्र को प्रेरणा दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कचहरी चौक स्थित एसबीआई के नये भवन का किया शुभारंभ, आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से मिलेगा लाभ

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की कचहरी शाखा के नवीन एवं अत्याधुनिक परिसर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रभाष कुमार सुबुद्धि, उप महाप्रबंधक श्री रमेश सिन्हा, प्रबंधक श्री अनिल यादव सहित बैंक के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष और सौभाग्य का विषय है कि पिछले 50 वर्षों से संचालित एसबीआई की कचहरी शाखा अब नए आधुनिक भवन में स्थानांतरित होकर ग्राहकों को और बेहतर सेवाएं प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस नए परिसर में उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उनके कार्य और अधिक सहज और त्वरित होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैंकिंग व्यवस्था को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि भारतीय स्टेट बैंक अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन कर रहा है और आगे भी ग्राहकों की सेवा में इसी तरह अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शाखा के अधिकारियों और ग्राहकों को शुभारंभ की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि एसबीआई की कचहरी शाखा ने हाल ही में अपनी सेवाओं के 50 वर्ष पूर्ण किए हैं। ग्राहकों को बेहतर, सुविधाजनक और उन्नत बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शाखा को पंडरी रोड स्थित आक्सीजोन क्षेत्र में नए परिसर में स्थानांतरित किया गया है, जहां आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित किया जाएगा।

राज बिहान रसोई से आत्मनिर्भर बनीं महिलाएं

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिकाना

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर राजनांदगांव जिले की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। हुनर, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर वे न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी अलग पहचान भी बना रही हैं। जिले में संचालित राज बिहान रसोई आज परंपरागत छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिकाना बन चुका है।

इस रसोई का संचालन प्रतिज्ञा महिला स्व-सहायता समूह की लखपति दीदी ज्ञानेश्वरी निषाद कर रही हैं। वे बताती हैं कि जब उन्होंने छोटे स्तर पर इस काम की शुरुआत की थी, तब यह नहीं सोचा था कि यह व्यवसाय इतना आगे बढ़ जाएगा। उनका कहना है कि यदि महिलाएं ठान लें तो कोई भी कार्य कठिन नहीं होता। कलेक्टोरेट परिसर में संचालित राज बिहान रसोई में चीला, बड़ा, फरा, चौसेला, मुगोड़ी, साबुदाना बड़ा, अइरसा, ठेठरी, खुर्मी और बालुशाही जैसे पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन उपलब्ध हैं। स्वादिष्ट पकवानों के कारण यहां लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं और मासिक आय लगभग 35 से 40 हजार रुपये तक पहुंच गई है। ज्ञानेश्वरी बताती हैं कि पहले वे खेती-किसानी में परिवार की मदद करती थीं और आर्थिक स्थिति कमजोर थी। बाद में उन्होंने सामाजिक आयोजनों में भोजन बनाने का काम शुरू किया और बढ़ते ऑर्डर के बाद बिहान से ऋण लेकर राज बिहान रसोई की शुरुआत की। आज उनकी टीम की सभी महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन के सहयोग से उन्हें विभिन्न मेलों में भी अवसर मिला। गुरुग्राम, दिल्ली, कोलकाता, केरल, रायपुर और भिलाई के सरस मेलों में कैटरिंग कार्य कर उनकी टीम ने हर मेले में एक लाख रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ अर्जित किया। आज राज बिहान रसोई महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और सफलता की मिसाल बन चुकी है।

बिहान ने बदली रत्ना की तकदीर, फूलों की खेती से बनीं आत्मनिर्भर

ड्रिप तकनीक से सालभर गेंदा की खेती, त्योहारों में मिल रहा अच्छा दाम

रायपुर।

छत्तीसगढ़ शासन की 'बिहान' (छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) योजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत डिगमा की निवासी श्रीमती रत्ना मजुमदार इसकी प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं। उन्होंने मेहनत और आधुनिक तकनीक के सहारे फूलों की खेती को सफल व्यवसाय में बदल दिया है।

रत्ना बताती हैं कि उनके ससुर पारंपरिक रूप से छोटे स्तर पर फूलों की खेती करते थे। स्व-सहायता समूह 'माँ महामाया समूह' से जुड़ने के बाद उन्होंने इस कार्य को व्यावसायिक रूप देने का निर्णय लिया। समूह के माध्यम से उन्हें एक लाख रुपये का ऋण मिला, जिससे उन्होंने एक एकड़ में आधुनिक पद्धति से फूलों की खेती शुरू की। आज उनकी खेती दो एकड़ तक फैल चुकी है। रत्ना ने खेती में ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) जैसी आधुनिक तकनीक अपनाई है। उन्होंने बताया कि उन्नत किस्म के पौधे कोलकाता से मंगाए जाते हैं, जो लगभग 24 दिनों में फूल देना शुरू कर देते हैं और तीन महीने तक उत्पादन देते हैं। वर्तमान में वे गेंदा फूल की लाल, नारंगी और पीली किस्मों की खेती कर रही हैं, वहीं सर्दियों में चेरी की खेती भी करती हैं। नवरात्रि, शिवरात्रि, रामनवमी और दीपावली जैसे त्योहारों में फूलों की मांग बढ़ने से उन्हें अच्छा लाभ मिलता है।

उन्होंने समूह से लिया ऋण समय पर चुका दिया है और अब होने वाले मुनाफे को खेती के विस्तार में लगा रही हैं। रत्ना अपनी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को देते हुए कहती हैं कि बिहान से जुड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। आज वे न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में नई पहचान भी बना रही हैं।

कलेक्टर अभिजित सिंह की अध्यक्षता में मनरेगा कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दुर्ग।

कलेक्टर अभिजित सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभा कक्ष, दुर्ग में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) डीएलसी बैठक अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग, समस्त क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर सिंह ने निर्देशित करते हुए कहा कि अपूर्ण कार्यों का तकनीकी अधिकारियों द्वारा स्थल पर भौतिक सत्यापन किया जाए तथा उन्हें प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने विशेष रूप से वृक्षारोपण, नहर निर्माण एवं मरम्मत, गाद निकासी तथा जल संरक्षण से संबंधित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करते हुए लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया।

ग्राम पंचायत स्तर पर लापरवाही पर वसूली कार्यवाही के निर्देशकलेक्टर सिंह ने निर्देशित किया कि मनरेगा अंतर्गत लगभग 30 प्रतिशत अपूर्ण निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। यदि किसी ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यों में रुचि नहीं ली जा रही है, तो शासन के निर्देशानुसार वसूली की कार्यवाही हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया जाए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 90 दिवस का रोजगार पूर्ण करते हुए आवास निर्माण को भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि मनरेगा के तहत रोजगारमूलक कार्यों को मांग के आधार पर प्राथमिकता देते हुए शीघ्र प्रारंभ किया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायतों में नवा तरिया, अमृत सरोवर एवं अन्य जल संरक्षण कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। सभी संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने तथा विशेष रूप से जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मनरेगा अंतर्गत एनआरईजीएसॉफ्ट में दर्ज अधूरे एवं लंबित कार्यों को लेकर भी गंभीरता व्यक्त की गई। निर्देश दिए गए कि ग्राम सभा के सत्यापन एवं विचार-विमर्श के बाद ऐसे कार्यों का समयबद्ध पूर्णता अथवा तर्कसंगत समापन सुनिश्चित किया जाए, जिससे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। लंबित कार्यों के सत्यापन व समापन हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, नए कार्य प्रारंभ करने से पूर्व चल रहे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। जिन कार्यों में भौतिक प्रगति पूर्ण हो चुकी है, उन्हें शीघ्र पूर्ण कर एनआरईजीएसॉफ्ट में अद्यतन करने के निर्देश दिए गए हैं।

रूस का रास्ता यूएस ने बंद किया, कहां से तेल खरीदेगा भारत; पहले से तैयार तगड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और ईरान से तेल की खरीद पर फिर प्रतिबंध शुरू हो गए हैं। बुधवार को अमेरिका ने छूट जारी रखने से इनकार कर दिया है। अब सवाल है कि इन दोनों देशों के बाद भारत कच्चे तेल की खरीद कहां से करेगा। हालांकि, रूस ने कहा है कि वह भारत को तेल भेजने के लिए तैयार है। खास बात है कि यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है।

अमेरिका ने 5 मार्च को भारत को 30 दिन की प्रतिबंध-छूट दी थी, जिसके तहत यूक्रेन युद्ध को लेकर लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद वह रूसी तेल खरीद सकता था। इसके कुछ ही दिन बाद यह राहत कुछ अन्य देशों तक भी बढ़ा दी गई, लेकिन यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हो गई। भारत की तरफ से रूसी तेल की खरीदी को लेकर अमेरिका लगातार सवाल उठाता रहा है।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, 'हम रूसी तेल और ईरानी तेल पर सामान्य लाइसेंस रिन्यू नहीं करेंगे। 11 मार्च से पहले जो तेल समुद्र परिवहन में भेजा जा चुका था, उसका अब पूरा इस्तेमाल हो चुका है।' रूस की न्यूज एजेंसी तास के अनुसार, भारत में रूस के राजनयिक डेनिस अलिपोव ने कहा था कि भारत जितनी मात्रा में तेल है, रूस उतनी सप्लाई के लिए तैयार है। उन्होंने कहा था, 'मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हमारा रुख और हमारा वादा हमेशा एक जैसा रहा है। हमने हमेशा यह माना है कि दुनिया के हालात में चाहे जो भी बदलाव आएं, हम भारत को तेल की

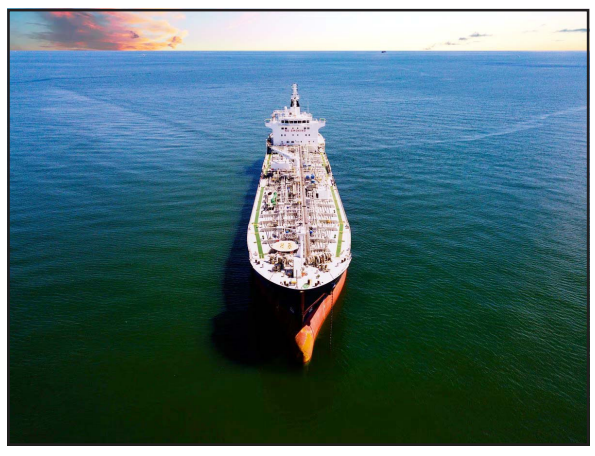

सप्लाई जारी रखने के लिए तैयार हैं। हमारा हमेशा रुख यही रहा है।' उन्होंने कहा था, 'हम भारत की जरूरत के मुताबिक जितना चाहे उतना तेल देने के लिए तैयार हैं। हम एलपीजी की सप्लाई पर भी चर्चा कर रहे हैं और भारत को जितनी जरूरत होगी, हम उतनी सप्लाई देने के लिए तैयार हैं।' माना जा रहा है कि भारत अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और खाड़ी देशों से आगे हटकर योजना पर विचार कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लैटिन अमेरिका भारत के सप्लायर के तौर पर जगह हासिल कर सकता है। वहीं, भारत ब्राजील, कोलंबिया और इक्वाडोर का भी रुख कर सकता है। इसके अलावा गुयाना भी दुनिया के बड़े तेल निर्यातक के तौर पर उभर रहा है। साथ ही पश्चिम एशिया के नाम पर भी विचार किया जा सकता है। खबरें हैं कि भारतीय तेल कंपनियां अमेरिका के साथ भी खरीद बढ़ा सकती हैं।

मार्च में राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट का जिक्र किया था। तब उन्होंने कहा था कि पिछले कुछ दिनों में दुनिया के विभिन्न देशों से तेल एवं एलपीजी गैस से भरे जहाज भारत पहुंचे हैं। मोदी ने कहा कि तेल, गैस और उर्वरक लाने वाले जहाज भारत तक सुरक्षित पहुंचें, सरकार इसके लिए हर तरह से प्रयास कर रही है। उन्होंने आगाह किया कि यदि इस युद्ध से बनी वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रहती हैं तो गंभीर दुष्परिणाम तय हैं।'इसलिए भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपना जुझारूपन बनाने के लिए जो प्रयास किए हैं, वह उन्हें और गति दे रहा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'कोई भी संकट हमारे हौसले और धैर्य की परीक्षा लेता है।' उन्होंने कहा कि देश ऐसे संकटों का सामना कर सके, इसके लिए पिछले 11 वर्ष में निरंतर निर्णय किए गए हैं तथा ऊर्जा आयात का विविधिकरण ऐसे ही प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि देश की कच्चे तेल एवं गैस की मांग को 27 देशों से आयात करके पूरा किया जाता था, वहीं आज भारत 41 देशों से ऊर्जा आयात करता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले कई वर्षों से पीएनजी को बढ़ावा देने तथा रसोई गैस के उत्पादन को बढ़ाने के लिए काफी काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रयास रहा है कि हर क्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता को कम से कम किया जाए।

इजराइल और लेबनान 10 दिन के सीजफायर पर हुए राजी : ट्रम्प

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि इजराइल और लेबनान 10 दिन के सीजफायर पर राजी हो गए हैं। यह युद्धविराम भारतीय समयानुसार गुरुवार देर रात 2:30 बजे से लागू हो गया है।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की, जिसके बाद यह सहमति बनी। उन्होंने बताया कि वह नेतन्याहू और जोसेफ औन को वॉशिंगटन में बातचीत के लिए आमंत्रित करेंगे। इस हफ्ते वॉशिंगटन में दोनों देशों के बीच 34 साल बाद पहली बार सीधी बातचीत हुई थी, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी शामिल थे। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री रुबियो और जॉइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन को निर्देश दिए हैं कि वे दोनों देशों के साथ मिलकर स्थायी शांति सुनिश्चित करने की दिशा में काम करें।

अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डील के लिए सीजफायर को बढ़ाया जा सकता है।

ब्रेकअप के बाद बना प्लेबॉय

अयान अहमद ने कैसे बिछाया मासूम लड़कियों को फंसाने का जाल?

अमरावती (एजेंसी)। अमरावती में सामने आए नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और ब्लैकमेल के एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाले मामले में कई नए खुलासे हुए हैं। इस मामले के मुख्य आरोपी अयान अहमद (उर्फ मोहम्मद अयाज) और उसके दोस्त उजैर खान ने मिलकर लड़कियों को अपने जाल में फंसाने, उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाने और उन्हें ब्लैकमेल करने का एक बड़ा नेटवर्क चलाया हुआ था।

पूछताछ के दौरान, मामले के कथित मास्टरमाइंड 19 वर्षीय अयान अहमद ने पुलिस को बेहद सामान्य अंदाज में बताया कि अपने पहले 'ब्रेकअप' के बाद वह 'प्लेबॉय' बन गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह मामला किसी 'मानसिक स्वास्थ्य' की समस्या से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह 'किशोर उम्र की एक विकृत मानसिकता और गलत जीवनशैली चुनने' का नतीजा है। जांच में सामने आया है कि अयान का एक सफल मोबाइल फोन का बिजनेस था। इसके अलावा, वह इंस्टाग्राम पर 'पेड प्रमोशन' के जरिए भी पैसे कमाता था, जहां उसके लगभग 18,000 फॉलोअर्स थे।

अपनी इस अय्याशी भरी और दिखावटी जीवनशैली को बनाए रखने के लिए वह अक्सर अपने दोस्तों और परिवार वालों से पैसे उधार लेता था। इन पैसों को वह लड़कियों पर खर्च करता था ताकि समाज में अपनी एक 'रईस' और 'आकर्षक' छवि बना सके।

पुलिस के मुताबिक, अयान की 'चकाचौंध भरी' सोशल मीडिया प्रोफाइल ने लड़कियों को शिकार बनाने में एक बड़ा रोल निभाया। वह इंटरनेट के माध्यम से लड़कियों से जुड़ता था और धीरे-धीरे उन पर अपना प्रभाव डालता था। वह किसी भी लड़की का भरोसा जीतने में 4 से 5 महीने का समय लेता था। एक बार जब लड़की उस पर भरोसा करने लगती थी, तो वह उनसे यौन संबंध बनाने की मांग करने लगता था या उन्हें इसके लिए मजबूर करता था।

यह पूरा मामला तब सामने आया जब दो किशोरों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिससे इस पूरे रैकेट की भनक पुलिस और लोगों तक पहुंच गई। शुरुआत में यह मामला कुछ आपत्तिजनक वीडियो के चुपचाप वायरल होने से शुरू हुआ था, लेकिन अब यह एक बड़े आपराधिक केस में तब्दील हो चुका है। पुलिस ने शुरुआत में ऑनलाइन फैल रहे लगभग 100 आपत्तिजनक वीडियो को जांच के दायरे में लिया था। गहन साइबर जांच के बाद, अब तक 18 वीडियो और 39 तस्वीरें सीधे तौर पर मुख्य आरोपी से जुड़ी हुई पाई गई हैं। अयान अहमद को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 21 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस घटना के सामने आने के बाद जनता में भारी आक्रोश देखने को मिला। जनभावनाओं और मामले की गंभीरता को देखते हुए, स्थानीय प्रशासन ने पूर्व नोटिस के आधार पर बुधवार, 15 अप्रैल को अयान अहमद के घर के कुछ हिस्सों को बुलडोजर से ढहा दिया। अधिकारियों ने इसे साइबर-सक्षम यौन शोषण रैकेट करार दिया है और मामले की जड़ तक पहुंचने के लिए जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

दोस्तों के बीच 'शर्त' से शुरू हुआ खौफनाक खेल

पुलिस का कहना है कि अयान यह सब अकेले नहीं कर रहा था, बल्कि उसका दोस्त उजैर खान भी इसमें बराबर का साझीदार था। यह पूरी खौफनाक साजिश दोनों आरोपियों के बीच एक शर्त या होड़ के रूप में शुरू हुई थी कि कौन सबसे ज्यादा लड़कियों को अपने जाल में फंसा सकता है। धीरे-धीरे यह शर्त यौन शोषण के एक बड़े नेटवर्क में बदल गई। वे लड़कियों के साथ बनाए गए निजी पलों के वीडियो रिकॉर्ड कर लेते थे और बाद में उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल करते थे। कुछ आपत्तिजनक सामग्री को इंटरनेट पर भी अपलोड कर दिया गया।

टैक्सींग के दौरान दो विमानों में टक्कर, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब टैक्सींग के दौरान दो विमानों के बीच टक्कर हो गई. इस घटना में स्पाइसजेट के बोइंग बी737-700 विमान का दाहिना विंगलेट क्षतिग्रस्त हो गया. जबकि, दूसरी एयरलाइन अकाशा के विमान के बाएं हिस्से के हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइजर को नुकसान पहुंचा. गनीमत रही कि इस दौरान कोई भी यात्री या क्रू घायल नहीं हुआ है. दरअसल, यह घटना टर्मिनल 1 के पास हुई जब अकासा एयर का विमान पुशबैक के बाद खड़ी थी और स्पाइसजेट का विमान जो लेह से आया था. स्पाइसजेट एयरलाइन की तरफ से बयान जारी कर कहा गया है कि 16 अप्रैल को दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका बी737-700 विमान जब टैक्सी कर रहा था तब वह दूसरी एयरलाइन के एक विमान से टकरा गया. टक्कर के चलते स्पाइसजेट विमान क्षतिग्रस्त हो गया है. एहतियातन स्पाइसजेट के इस विमान को दिल्ली में ही ग्राउंड कर दिया गया है. आगे की जांच की जा रही है.

महिलाओं का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं प्रधानमंत्री : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महिला आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन को सत्ता बनाए रखने के लिए बहाने के तौर पर उपयोग करने और महिलाओं का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि यदि विधेयक पारित हो गया तो देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा.

उन्होंने महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित विधेयकों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को लोकसभा के वर्तमान संख्याबल 543 के आधार पर महिला आरक्षण को लागू करना चाहिए और जाति जनगणना के बिना परिसीमन नहीं होना चाहिए.

प्रियंका ने गृह मंत्री अमित शाह पर राजनीतिक कुटिलता का आरोप भी लगाया और तंज कसते हुए कहा, ''यदि आज चाणक्य जिंदा होते तो आपकी कुटिलता से चौंक जाते.'' उनका कहना था कि सच्चाई यह है कि लोकसभा में हो रही चर्चा महिला आरक्षण विधेयक पर ही नहीं है, बल्कि परिसीमन पर भी है. उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस ''राजनीति की बू'' का जिक्र किया, वह इस विधेयक में पूरी तरह घुली हुई है.

प्रियंका ने आरोप लगाया कि सरकार यह विधेयक लाई है क्योंकि वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भागीदारी नहीं देना चाहती है. कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अगर यह विधेयक पारित होता है तो समझ लीजिए कि देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा. कांग्रेस नेता ने कहा, ''अगर प्रधानमंत्री ने यह ऐतिहासिक कदम ईमानदारी से उठाया होता तो पूरा सदन इसका समर्थन करता.''

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा

'बंगाल चुनाव से पहले जिनके दावे तय हो जाएं, उन्हें वोट डालने की इजाजत दी जाए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह उन मतदाताओं के लिए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी करे, जिनके नाम गलत तरीके से बाहर रखे जाने के दावों का फैसला उनके पक्ष में हो गया था. यह काम पश्चिम बंगाल में दो फेज में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले 21 और 27 अप्रैल तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है.

सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने हाल ही में अपलोड किए गए 13 अप्रैल के एक आदेश में कहा, इसलिए, हम भारत के संविधान के आर्टिकल 142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं और ईसीआई को निर्देश देते हैं कि, जहां भी अपीलेट ट्रिब्यूनल 21 अप्रैल 2026 या 27 अप्रैल 2026 तक अपील पर फैसला कर सकें, जैसा भी मामला हो, ऐसे अपीलेट आदेश को एक पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी करके लागू किया जाएगा, और वोट देने के अधिकार के संबंध में सभी ज़रूरी नतीजे लागू होंगे. बेंच ने कहा, हालांकि, यह कहने की जरूरत नहीं है कि सिर्फ बाहर किए गए लोगों की अपील अपीलीय न्यायाधिकरणों के सामने पेंडिंग होने से उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं मिल जाएगा. बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे. बेंच ने कहा कि अगर ऐसी स्थिति बनी रही, तो इसका नतीजा यह होगा कि आपत्ति करने वाले लोग उन लोगों को भी वोट देने के अधिकार से वंचित करने की मांग कर सकते हैं जिनके नाम संशोधित मतदाता सूची में हैं, लेकिन जिनके खिलाफ ऐसे आपत्ति करने वालों ने अपील की है. बेंच ने कहा कि इसके नतीजे में वही हालात बन जाएंगे जो न्यायिक अधिकारियों को सत्यापन का काम सौंपे जाने से पहले थे. बेंच ने अपने आदेश में कहा, हमारी सोच के हिसाब से, इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती, खासकर तब जब पश्चिम बंगाल राज्य के न्यायिक अधिकारियों ने, झारखंड और ओडिशा राज्यों के न्यायिक अधिकारियों की मदद से, बहुत कम समय में एक बहुत बड़ा काम पूरा कर लिया है. बेंच ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि इस कोर्ट के बनाए गए कई बहुस्तरीय सुरक्षा उपाय को ध्यान में रखते हुए, यह साफ हो जाता है कि अगर अपीलीय न्यायाधिकरण अपील मान लेता है और शामिल करने या बाहर करने का कोई पक्का निर्देश जारी किया जाता है, तो ऐसे निर्देश पश्चिम बंगाल राज्य के 23 अप्रैल 2026 या 29 अप्रैल 2026 को, जैसा भी मामला हो, मतदान शुरू करने से पहले ठीक से लागू हो जाएंगे. बेंच ने कहा कि यह साफ है कि अपीलेट ट्रिब्यूनल के सदस्यों के लिए सभी जरूरी ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है और आज की तारीख में अपीलेट ट्रिब्यूनल पूरी तरह से काम कर रहे हैं.

समाचार-सार

पाकिस्तान में ईरानी प्रतिनिधिमंडल को था खतरा; लौटते हुए विमान बदला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिका से वार्ता नाकाम होने के बाद पाकिस्तान से लौट रहे ईरान के प्रतिनिधिमंडल को जान का खतरा था। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य प्रोफेसर मोहम्मद मरंडी ने खुलासा किया है कि वार्ता के बाद जब वे लौट रहे थे, तो उन पर हत्या का साया मंडरा रहा था। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल का मानना था कि उनके विमान को मिसाइल से निशाना बनाया जा सकता है, जिसके चलते सुरक्षा रणनीति बदलनी पड़ी।

प्रोफेसर मरंडी ने बताया कि इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ हुई बातचीत के दौरान सुरक्षा का खतरा इतना बढ़ गया था कि प्रतिनिधिमंडल को अपनी सुरक्षा रणनीति पूरी तरह गोपनीय रखनी पड़ी। उन्होंने बताया कि ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ समेत पूरे प्रतिनिधिमंडल ने बीच रास्ते में ही अपना विमान बदला और तेहरान पहुंचने के लिए बस और ट्रेन का रास्ता अपनाया।

प्रोफेसर मरंडी ने कहा, वापसी के दौरान हम सीधे तेहरान के लिए रवाना नहीं हुए। उस समय हम सबको लग रहा था कि इसकी पूरी संभावना है कि वे हमारे विमान को मार गिराएंगे या मिसाइल दाग देंगे। उन्होंने कहा, इसी जानलेवा खतरे को देखते हुए ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी रणनीति बदली और बेहद गुप्त तरीके से एक दूसरे विमान में सवार हुए। विमान का अचानक रास्ता बदला गया और उसे तेहरान के बजाय मशहद में लैंड कराया गया।

इस्लामाबाद के जिस सेरेना होटल में हुई अमेरिका-ईरान की बैठक, उसका बिल नहीं चुका पाई सरकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कर्ज के बोझ से दबे पाकिस्तान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी किरकिरी कराई है। पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद के जिस सेरेना होटल में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता कराई थी, अभी तक उसका बिल नहीं चुकाया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, होटल का बिल होटल के मालिक को चुकाना पड़ा है। होटल के मालिक आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क से जुड़े हैं। सेरेना होटल इस्लामाबाद का 5 सितारा होटल है। इसका उद्घाटन 2002 में तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने किया था। होटल का मालिकाना हक आगा खान फंड ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट के पास और संचालन सहायक कंपनी टूरिज्म प्रमोशन सर्विस करती है। होटल में प्रति-रात का डीलक्स रूम का किराया करीब 13 हजार रुपये और एग्जीक्यूटिव रूम का किराया 23 हजार रुपये तक है। प्रेसिडेंशियल सुइट करीब 93 हजार रुपये प्रति-रात है। होटल के आसपास मार्गल्ला हिल्स और रावल झील है।

चीन ने ईरान को मिलिट्री मदद देने की खबरों को किया खारिज

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने ईरान को मिलिट्री मदद देने की खबर को खारिज कर दिया है. इस बारे में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बुधवार को उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया जिनमें कहा गया था कि चीन ईरान को सैन्य मदद दे रहा है. लिन ने कहा कि अगर अमेरिका इन रिपोर्ट्स के आधार पर चीन पर टैरिफ लगाता है, तो चीन जवाबी कदम उठाएगा.

एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, मीडिया रिपोर्ट्स जो चीन पर ईरान को मिलिट्री सपोर्ट देने का आरोप लगा रही हैं, वे पूरी तरह से मनगढ़ंत हैं. अगर यूएस इन आरोपों के आधार पर चीन पर टैरिफ बढ़ाता है, तो चीन जवाबी कार्रवाई करेगा. इससे पहले सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अभी तक उनसे बात नहीं की है, लेकिन वह युद्ध खत्म होते देखना चाहेंगे.

ओवल ऑफिस में रिपोर्टरों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, चीन के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं. वह इसे भी खत्म होते देखना चाहेंगे. वह निश्चित रूप से इसे खत्म होते देखना चाहते हैं. हर कोई, मैं भी इसे खत्म होते देखना चाहता हूं, लेकिन हम ऐसे लोगों के ग्रुप को परमाणु हथियार नहीं दे सकते जिन्होंने 47 सालों से सिर्फ तबाही मचाई है. यूएस इंटेलिजेंस इनपुट्स और चीनी लीडरशिप के साथ संभावित कम्युनिकेशन के बारे में सीएनएन के एक सवाल के जवाब में, ट्रंप ने साफ किया कि उन्होंने इस मामले पर सीधे शी से बात नहीं की है, लेकिन चेतावनी दी कि अगर बीजिंग ने तेहरान को मिलिट्री सपोर्ट दिया तो उसे नतीजे भुगतने होंगे.

तुर्की में लगातार दूसरे दिन एक और स्कूल में गोलीबारी; 4 लोगों की मौत, 20 घायल

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की में लगातार दूसरे दिन एक और स्कूल में गोलीबारी की घटना सामने आई है। इस बार दक्षिणी प्रांत कहरामनमारास स्थित आयसर कालीक सेकेंडरी स्कूल में हमला हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, कहरामनमारास के गवर्नर मुकर्रेम उनलुएर ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हमले में 3 शिक्षकों और संदिग्ध हमलावर सहित 4 लोग मारे गए हैं। पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चला है कि गोलबारी में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, गोलीबारी की सूचना के बाद पुलिस और सेना ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया। हालांकि, उससे पहले हमलावर की मौत हो चुकी थी। हमलावर को पुलिस ने मारा या उसने आत्महत्या की है, इसकी पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने अभी तक हमलावर की पहचान भी सार्वजनिक नहीं की है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और हमले के प्रयास से संबंधित आगे की जानकारी की जांच जारी है।

यूक्रेन पर फिर शुरू हुआ रूसी ड्रोन और मिसाइल हमला, 15 लोगों की मौत

कीव (एजेंसी)। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर हमला तेज कर दिया है। रात भर रूस ने ड्रोन और मिसाइल दागे, जिसमें कम से कम 15 लोगों के मारे जाने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी कीव में 4 लोग मारे गए। दक्षिण-पूर्व में स्थित नीप्रो में 3 मौत हुई है। सीमा पार, रूस के क्रास्नोदार क्राई क्षेत्र में 5 और 14 वर्ष के 2 बच्चों की मौत हो गई। हमले में करीब 100 लोग घायल हैं।

रूस ने यह हमला ऑर्थोडॉक्स ईस्टर समारोहों के दौरान हुए संक्षिप्त युद्धविराम के बाद किया है, जो पिछले सप्ताह मनाया गया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईस्टर के लिए 3 दिन के युद्धविराम की घोषणा की थी और यूक्रेनी पक्ष से इसका पाल करने को कहा था।

राजस्थान रायल्स के मैनेजर को डगआउट के अंदर मोबाइल फोन इस्तेमाल करना पड़ा भारी, बीसीसीआई ने लगाया जुर्माना; चेतावनी भी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। BCCI की एंटी-करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट ने जांच पूरी होने के बाद राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर पर डगआउट के अंदर मोबाइल फोन इस्तेमाल करने के लिए जुर्माना लगाया गया है और उन्हें औपचारिक चेतावनी दी गई है। यह फैसला तब आया जब ACSU ने इस घटना के संबंध में भिंडर को दिए गए कारण बताओ नोटिस पर उनके जवाब की समीक्षा की।

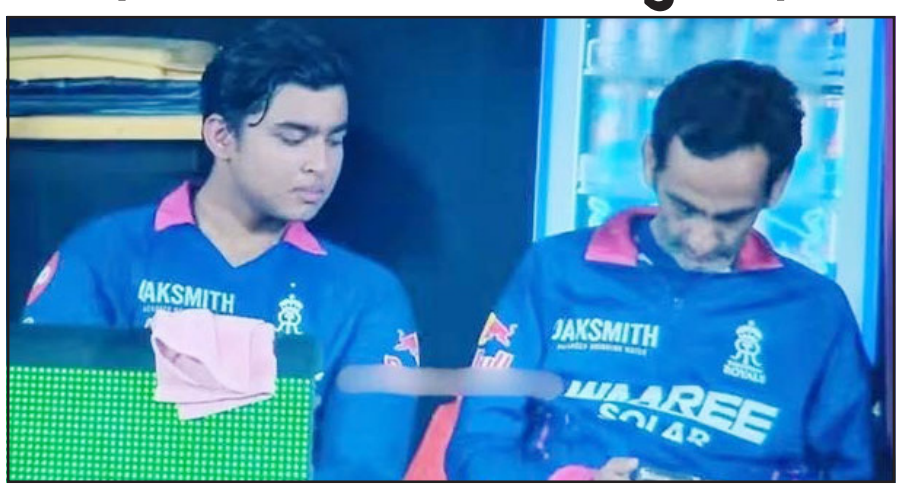

जांचकर्ताओं ने उनके स्पष्टीकरण को यह देखते हुए मान लिया कि एक खास मेडिकल स्थिति के कारण उस समय डिवाइस का इस्तेमाल करना जरूरी था। जांच पूरी तरह से भिंडर के कामों पर केंद्रित थी। युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी जो इस दौरान भिंडर के साथ बैठे थे, उन पर कोई औपचारिक चर्चा या अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई। नियम तोड़ने की पुष्टि हुई थी, लेकिन बोर्ड और ACSU विंग ने दिए गए संदर्भ पर संतोष व्यक्त किया जिसके कारण प्रोटोकॉल के उल्लंघन के लिए आमतौर पर अपेक्षित दंड की तुलना में अधिक नरम दंड दिया गया।

BCCI के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने इस बारे में जानकारी देते हुए एक स्पोर्ट्स वेबसाइट स्पोर्ट्स तक से कहा, 'BCCI की ACU ने रोमी भिंडर से स्पष्टीकरण मांगा था कि वह फोन क्यों साथ रखे हुए थे। भिंडर के स्पष्टीकरण के बाद उन्हें दंड के तौर पर 1 लाख रुपए का जुर्माना देने का निर्देश दिया गया है क्योंकि ACU उनके जवाब से पूरी तरह संतुष्ट नहीं था। साथ ही उन्हें भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की चेतावनी भी दी गई है।'

प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया प्रोटोकॉल के तहत ज्यादातर कर्मचारियों द्वारा मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरणों के इस्तेमाल पर रोक है। टीम मैनेजरों को प्रशासनिक कामों के लिए ड्रेसिंग रूम की निजता में फोन इस्तेमाल करने की अनुमति होती है, लेकिन डगआउट में फोन के इस्तेमाल पर सख्त रोक है। भिंडर 2008 में लीग की शुरुआत से ही राजस्थान रॉयल्स संगठन का एक अहम हिस्सा रहे हैं, और इन वर्षों में उन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए अलग-अलग भूमिकाओं में काम किया है।

पाकिस्तान का दौरा करेगा ऑस्ट्रेलिया, 30 मई से खेली जाएगी वनडे श्रृंखला

कराची (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम लाहौर और रावलपिंडी में तीन मैच की वनडे श्रृंखला खेलने के लिए मई के अंत में पाकिस्तान का दौरा करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह श्रृंखला क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और पीसीबी के बीच हुए एक समझौते का हिस्सा है जिसके अंतर्गत ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम ने टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान का दौरा किया था और लाहौर में तीन मैच खेले थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ इस दौरे को अंतिम रूप दिया जा रहा है लेकिन मैच संभावित रूप से 30 मई से पांच जून के बीच होंगे।

सूत्र ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान से बांग्लादेश के लिए रवाना होगी जहां उसे 9 जून से वनडे श्रृंखला खेलनी है। पाकिस्तान को पाकिस्तान सुपर लीग के समापन के बाद आठ से 20 मई के बीच में दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए बांग्लादेश का दौरा करना है लेकिन उनकी इस साल सबसे अहम श्रृंखला अगस्त और सितंबर में इंग्लैंड में तीन टेस्ट की है जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

''फिटनेस, रफ्तार, धैर्य, ऊंचाई, बाउंड्री...''

सचिन तेंदुलकर ने किया श्रेयस अय्यर के कैच का बारीक विश्लेषण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की जबरदस्त फील्डिंग के कारण पवेलियन लौटना पड़ा। अय्यर ने गेंद पकड़ी और बाउंड्री लाइन पार करने से पहले जेवियर बार्टलेट के पास गेंद फेंक दी। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने श्रेयस अय्यर के रिले कैच की तारीफ करते हुए इसे 'सबसे अच्छे कैच में से एक' बताया, जिसे उन्होंने अब तक लाइव देखा है।

तेंदुलकर ने इस कैच का काफी बारीक विश्लेषण किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'श्रेयस अय्यर के कैच को सिर्फ एथलेटिकिज़्म ही नहीं, बल्कि सचेत रहना भी खास बनाती है। उन्हें गेंद की गति, लंबाई, बाउंड्री लाइन कहा है? यह सब अंदाज़ा लगाना था और सही समय पर छलांग लगानी थी। हवा में रहते हुए उन्होंने बॉल पकड़ी और जमीन पर आने से पहले टीम के एक साथी की फेंक दी। इस दौरान उन्हें ठीक-ठीक पता था कि वह फील्डर कहां है। यह सब एक पल में समझने के लिए जबरदस्त जगरूकता, टाइमिंग, फिटनेस और शांत मन चाहिए। श्रेयस अय्यर ने सब कुछ एकदम सही किया। मैंने अब तक जितने भी लाइव कैच देखे हैं, उनमें से यह सबसे अच्छे कैच में से एक है!'

मामला मुंबई इंडियंस की पारी की 18वें ओवर का है। मार्को यानसेन की तीसरी गेंद पर पंड्या ने सीधे शॉट लगाया। श्रेयस अय्यर लॉन्ग ऑन से दौड़कर पहुंचे और हवा में उछलते हुए कैच पकड़ा। बाउंड्री के पार गिरने से पहले जेवियर बार्टलेट के पास फेंक दिया। आईपीएल 2026 के 24वें मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ रोहित शर्मा मैदान पर इंजरी की वजह से नहीं उतरे। उनकी जगह क्विंटन डिकॉक को मौका दिया गया और उन्होंने इस सीजन के पहले ही मैच में शतक लगा दिया। डिकॉक ने अपनी शतकीय पारी के बाद कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए और रोहित, संजू, पंत का बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ा।

मुंबई इंडियंस की लगातार 4 हार के बाद कठिन हुई प्लेऑफ की राह, अब क्या है अंतिम 4 में पहुंचने का समीकरण?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2026 में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। एमआई ने सीजन की शुरुआत ऐतिहासिक जीत से की थी और वानखेड़े में पहला मैच हारने का सिलसिला भी तोड़ा था। उसके बाद मुंबई की गाड़ी जैसे पटरी से उतर गई और टीम को लगातार चार हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब टीम के लिए आगे की राह काफी कठिन नजर आ रही है। अगर प्लेऑफ के समीकरण की बात करें तो अब मुंबई इंडियंस को बेहतरीन वापसी करनी होगी।

हालांकि, मुंबई इंडियंस की टीम पहले भी आईपीएल में ऐसा कर चुकी है। इस टीम ने ऐसी ही खराब पोजीशन से बाउंस बैक करते हुए सीजन भी जीता है। यही उम्मीद फैंस इस बार भी कर रहे होंगे। फिलहाल क्या हैं मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ के समीकरण इसकी बात करें तो राह आसान नहीं है लेकिन नामुमकिन नहीं है। अभी तक मुंबई ने पांच मैच खेले हैं और हर टीम को लीग स्टेज में 14-14 मैच खेलने हैं। यानी अभी मुंबई इंडियंस के 9 लीग मैच बाकी हैं। मुंबई इंडियंस की बात करें तो टीम के अभी पांच मैचों के बाद सिर्फ 2 अंक ही हैं। अंकतालिका में भी मुंबई की टीम 9वें स्थान पर है। लगातार चार हार के बाद अब टीम के प्लेऑफ का समीकरण भी कठिन हो चुका है। पिछले कुछ सीजन की बात करें तो प्लेऑफ में क्वालिफाई करने के लिए मैजिकल फिगर 16 अंक का रहा है। ऐसे में अगर मुंबई को 16 अंक तक पहुंचना है तो बचे हुए 9 में से 7 मैच कम से कम जीतने होंगे।

यानी प्लेऑफ में पहुंचने के लिए मुंबई इंडियंस के लिए पहली जरूरी कंडीशन है बचे हुए 9 में से 7 मैच जीतना और 16 अंक तक पहुंचना। इस बीच अगर बारिश के कारण कोई मैच धुला तो टीम की राह तब भी बिगड़ सकती है।

इस लिहाज से मुंबई अगर 9 में 8 मैच कम से कम जीतने का टारगेट रखेगी तब पूरी तरह सेफ कहे सकते हैं। लिहाजा टीम के लिए राह मुश्किल लग रही है। मुंबई का हालिया प्रदर्शन देखते हुए बचे हुए 9 में से 8 या 7 मैच जीतना मुश्किल भी लग रहा है। इस टीम के पास सितारों की कमी नहीं है। रोहित शर्मा चोटिल जरूर हैं लेकिन उनके स्थान पर आए क्विंटन डी कॉक ने भी शतक लगाया था। जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट बेअसर दिख रहे हैं। सूर्या और तिलक का भी जादू नहीं दिखा है। यानी फ्लाप सितारों को हीरो बनना होगा अगर इस टीम को प्लेऑफ में जगह बनानी है।

अर्शदीप सिंह को 'बेसिक्स' पर काम करने से मिली सफलता : PBKS के सहायक कोच

मुंबई (एजेंसी)। भारत और पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने IPL के वर्तमान सत्र में शुरू में जूझने के बाद मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया तथा उनकी टीम के सहायक कोच साईराज बहुतुले ने कहा कि 'बेसिक्स' (बुनियादी चीजों) पर काम करने से उन्हें अपनी फॉर्म वापस पाने में मदद मिली है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में अर्शदीप ने रयान रिकेल्टन (02) और सूर्यकुमार यादव (00) को लगातार गेंदों पर आउट किया। बाद में उन्होंने शेरफेन रदरफोर्ड (01) को भी पवेलियन भेजा और कुल 22 रन देकर तीन विकेट लिए।

बहुतुले ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, 'अर्शदीप ने पहले दो मैच में अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन पिचों की प्रकृति के कारण गेंदबाजी में विविधता लाना जरूरी होता है और कभी-कभी ऐसा होता है कि आप अपनी मुख्य गेंद फेंकना भूल जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन वह अपनी खेल की बारीकियों को समझते हैं। उन्होंने पिछले कुछ दिनों में अपने 'बेसिक्स' पर काम किया। उन्होंने जमकर अभ्यास किया। उन्हें केवल उसी पर ध्यान देने की जरूरत थी जिसमें वह सबसे अच्छा करते हैं।' पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'उनकी सोच बिल्कुल स्पष्ट थी। उन्होंने यह समझा कि उनके लिए क्या अच्छा है और उनका मजबूत पक्ष क्या है। उन्होंने ठीक ऐसा ही किया।' बहुतुले ने प्रभसिमरन सिंह के दृष्टिकोण में आए बदलाव के लिए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को श्रेय दिया, जो 39 गेंदों में 80 रन (11 चौके, दो छक्के) बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने कहा, 'इसका बहुत कुछ श्रेय ड्रेसिंग रूम में रिकी की मौजूदगी को भी जाता है। वह खुद इतने सकारात्मक हैं कि सभी बल्लेबाज उनसे प्रेरणा लेते हैं।'

65 का औसत और 180 का स्ट्राइक रेट, पूर्व खिलाड़ी ने श्रेयस अय्यर की विराट कोहली से की तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। इसके कारण उनकी टीम अभी तक एक भी मैच नहीं हारी है। पंजाब किंग्स ने गुरुवार (16 अप्रैल) को वानखेड़े में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया। कप्तान अय्यर ने 35 गेंदों पर 66 रन की पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभायी। श्रेयस अय्यर ने पिछली चार पारियों में तीन अर्धशतक जड़े हैं। चेज के दौरान उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। यही कारण है कि भारत के पूर्व खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने अय्यर को नया चेज मास्टर बताया। उनकी तुलना दिग्गज विराट कोहली से की है।

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'सरपंच साहब नए चेज मास्टर हैं। हम विराट कोहली की बात करते हैं और उनके साथ अगर चेज में किसी और का काम अगर हम जोड़ रहे हैं तो अपने आप में बहुत बड़ी ये उपलब्धि है। ये बहुत बड़ी तारीफ है और सच बात यह है कि उनके जैसे इनके नंबर्स हैं यार। पिछले दो साल में आप इनके चेज में नंबर्स देखेंगे। 65 का इनका औसत है। 180 के स्ट्राइक रेट से मैच खत्म करके जाते हैं।' आकाश चोपड़ा ने कहा, 'इस बार भी आउट हो गए अंत में पर मैच खत्म हो गया था। वो चेन्नई के सामने भी आउट हो गए थे। पर मैच खत्म हो गया था तो उस प्रकार से आउट एक दो बार जरूर हुए हैं। वरना औसत जो है न वो 80 पर पहुंची होती। ठीक है इससे बहुत फर्क नहीं पड़ता और श्रेयस दरवाजा खटखटा नहीं रहे। वह दरवाजा तोड़ने वाले हैं। उस तरह की बल्लेबाजी कर रहे हैं।' आकाश चोपड़ा का दरवाजा खटखटाने से मतलब भारत की टी20 टीम में चयन से था। श्रेयस अय्यर वनडे टीम के उपकप्तान हैं, लेकिन टी20 टीम का हिस्सा नहीं है। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम में मौका मिला था। हालांकि, वह खेले नहीं। इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी वह टीम का हिस्सा नहीं रहे। वह टी20 वर्ल्ड कप 2025 का भी हिस्सा नहीं थे।

चीन बना भारत का नंबर-1 ट्रेडिंग पार्टनर; अमेरिका को पीछे छोड़ शीर्ष पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक व्यापार के समीकरणों में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में चीन एक बार फिर अमेरिका को पछाड़कर भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है. पिछले चार वर्षों (2021-22 से 2024-25) तक अमेरिका इस पायदान पर काबिज था, लेकिन इस साल द्विपक्षीय व्यापार में हुई भारी वृद्धि ने चीन को शीर्ष पर पहुंचा दिया है.

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत और चीन के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2025-26 में 151.1 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है. हालांकि, इस व्यापारिक बढ़त का एक चिंताजनक पहलू भारत का बढ़ता व्यापार घाटा है. चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 112.16 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में 99.2 अरब डॉलर था.

पिछले वित्त वर्ष के दौरान चीन को भारत का निर्यात 36.66 प्रतिशत बढ़कर 19.47 अरब डॉलर रहा. वहीं, चीन से होने वाला आयात 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 131.63 अरब डॉलर पर पहुंच गया. दूसरी ओर, अमेरिका के साथ भारत का व्यापार थोड़ा धीमा रहा. अमेरिका को होने वाला निर्यात मात्र 0.92 प्रतिशत बढ़कर 87.3 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 15.95 प्रतिशत बढ़कर 52.9 अरब डॉलर हो गया. इसके परिणामस्वरूप अमेरिका के साथ भारत का व्यापार सरप्लस घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया.

फ्लिपकार्ट और उबर की बड़ी साझेदारी, अब हर उबर राइड पर मिलेंगे सुपरकॉइन्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी फ्लिपकार्ट और दुनिया की प्रमुख राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म उबर ने भारतीय ग्राहकों के लिए एक विशेष साझेदारी की घोषणा की है. इस रणनीतिक गठबंधन के तहत फ्लिपकार्ट के लोकप्रिय रिवॉर्ड प्रोग्राम सुपरकॉइन्स को उबर की वाहन सेवाओं के साथ जोड़ दिया गया है. इस कदम का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को उनकी रोजमर्रा की यात्राओं पर अतिरिक्त बचत और लाभ प्रदान करना है.

इस साझेदारी के बाद, उबर का उपयोग करने वाले यात्री अब अपनी हर एलिजिबल (पात्र) राइड पर फ्लिपकार्ट सुपरकॉइन्स कमा सकेंगे. उपयोगकर्ता जब भी उबर के माध्यम से कैब बुक करेंगे, तो उनके कुल किराये का 4 प्रतिशत हिस्सा सुपरकॉइन्स के रूप में उनके खाते में जमा हो जाएगा. उदाहरण के तौर पर, यदि आपकी राइड का किराया 500 रुपये है, तो आपको 20 सुपरकॉइन्स मिलेंगे.

कंपनियों द्वारा जारी बयान के अनुसार, प्रति यात्रा अधिकतम रिवॉर्ड की सीमा 150 सुपरकॉइन्स तय की गई है. हालांकि, ग्राहकों के लिए अच्छी खबर यह है कि कुल कमाई पर कोई ऊपरी सीमा नहीं है; यानी आप महीने भर में जितनी चाहें उतनी राइड्स लेकर कॉइन्स जमा कर सकते हैं. ये अर्जित कॉइन्स सीधे उपयोगकर्ता के फ्लिपकार्ट अकाउंट में रिफ्लेक्ट होंगे.

उबर के जरिए कमाए गए इन सुपरकॉइन्स का उपयोग फ्लिपकार्ट के पूरे इकोसिस्टम में किया जा सकता है. ग्राहक इनका उपयोग फ्लिपकार्ट पर खरीदारी करने, फ्लिपकार्ट मिनट्स से ग्रोसरी मंगवाने, क्लियरट्रिप पर फ्लाइट या होटल बुक करने और अन्य थर्ड-पार्टी पार्टनर सेवाओं का लाभ उठाने के लिए कर सकते हैं.

फ्लिपकार्ट के उपाध्यक्ष (भुगतान और सुपरकॉइन्स) गौरव अरोड़ा ने इस मौके पर कहा, सुपरकॉइन्स अब ग्राहकों की दैनिक जरूरतों का हिस्सा बन रहा है. उबर के साथ यह एकीकरण हमें ग्राहकों के रोजमर्रा के लेन-देन में और गहराई से जुड़ने की अनुमति देता है. वहीं, उबर इंडिया के निदेशक अर्नब कुमार ने बताया कि इस साझेदारी से उबर का अनुभव ग्राहकों के लिए और अधिक फायदेमंद और सहज हो जाएगा.

सोना हुआ बेकाबू! अक्षय तृतीया से पहले रॉकेट बनी कीमतें

मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों और पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की खबरों के बीच भारतीय वायदा बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी दर्ज की गई. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इजरायल और लेबनान के बीच तनाव कम करने के संकेतों और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को स्थायी रूप से खोले जाने की घोषणा के बावजूद, एमसीएक्स पर सोना और चांदी दोनों हरे निशान में कारोबार करते दिखे.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 5 जून के कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने के वायदा भाव में सुबह के सत्र में 0.67 प्रतिशत यानी 1,042 रुपये की तेजी देखी गई. इसके साथ ही सोना 1,54,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया. वहीं, चांदी के वायदा भाव में अधिक मजबूती रही. चांदी 1.58 प्रतिशत या 3,993 रुपये की छलांग लगाकर 2,55,735 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर जा पहुंची. बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि हालांकि युद्ध की स्थिति टलने से सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग कम होनी चाहिए थी, लेकिन व्यापक आर्थिक कारकों और निचले स्तरों पर हुई खरीदारी ने कीमतों को सहारा दिया है.

कीमतों में यह हलचल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने पश्चिम एशिया संघर्ष के जल्द समाप्त होने की उम्मीद जताई है. ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि इजरायल और लेबनान के बीच ब्रीदिंग रूम (तनाव कम करने का अवसर) बनाने की कोशिशें जारी हैं और दोनों पक्षों के बीच जल्द ही बातचीत होगी. कॉमोडिटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, सोने और चांदी में अभी भी मजबूती बनी हुई है. सोने के लिए 1,55,000 रुपये का स्तर बेहद महत्वपूर्ण है. अगर कीमतें इस स्तर के ऊपर टिकी रहती हैं, तो यह 1,57,000 से 1,58,000 रुपये तक जा सकती हैं. हालांकि, 1,54,000 रुपये के नीचे जाने पर मुनाफावसूली हावी हो सकती है, जिससे कीमतें 1,48,000 रुपये तक गिर सकती हैं. चांदी की बात करें तो इसे औद्योगिक मांग और सुरक्षित निवेश का सहारा मिल रहा है. विश्लेषकों का मानना है कि चांदी 2,60,000 से 2,63,000 रुपये के प्रतिरोध स्तर को पार करने के बाद 2,70,000 रुपये का आंकड़ा छू सकती है.

संपादकीय

एडिक्टिव डिजाइन फीचर्स का बच्चों पर असर

कोर्ट ने पाया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके संभावित दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है।

सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने प्लैटफॉर्म पर जानबूझ कर ऐसी तकनीकी व्यवस्था की है, जिससे यूजर्स को उन पर बने रहने की लत लग जाती है। खासकर बच्चों को इससे गहरा नुकसान हो रहा है। अमेरिका में कैलिफ़ोर्निया की एक अदालत ने पिछले हफ्ते इस संबंध में एक दूरगामी महत्व का फैसला दिया। उसमें सोशल मीडिया कंपनियों मेटा (इंस्टाग्राम) और गूगल (यूट्यूब) को बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य हानि पहुंचाने का दोषी ठहराया गया। कोर्ट ने पाया कि इन प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन (लत डालने वाले) फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके हो सकने वाले दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने कोई पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन कंपनियों पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है।

यह फैसला एक 20 वर्षीय महिला की याचिका पर आया, जिसने बताया कि बचपन से ही इंस्टाग्राम और यूट्यूब के उपयोग ने उसके जीवन पर खराब असर डाला और उसकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ाईं। इस फैसले को सोशल मीडिया कंपनियों के लिए पहला बड़ा कानूनी झटका माना गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अब मेटा और गूगल जैसी कंपनियों पर अपने प्लेटफॉर्म डिजाइन बदलने और उन्हें बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए दबाव बढ़ेगा। मगर ये बात अमेरिका के अंदर की है। बाहर में जब कभी किसी देश ने इन कंपनियों पर लगाम लगाने की कोशिश की है, अमेरिका सरकार अपनी कंपनियों के बचाव में आ खड़ी हुई है।

डॉनल्ड ट्रंप के शासनकाल में यह प्रवृत्ति अधिक आक्रामक नजर आई है। विनियमन की यूरोपियन यूनियन की कोशिश के खिलाफ ट्रंप खुद मोर्चा संभाले रहे हैं। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच रोकने के ठोस कदम उठाए हैं। भारत में भी ऐसी चर्चा हाल में तेज हुई है। कर्नाटक सरकार ने इस दिशा में पहल की है। मगर जब ऐसा कदम केंद्र के स्तर पर नहीं उठाया जाता, उसके प्रभावी होने की संभावना नहीं है। अत: नरेंद्र मोदी सरकार को कम-से-कम इस मामले में अमेरिकी दबाव की परवाह ना करते हुए ठोस वैधानिक पहल करनी चाहिए। बच्चों को सिर्फ कंज्यूमर समझने वाली कंपनियों को विनियमित करने की अति-आवश्यकता है।

ट्रम्प का 'धर्मयुद्ध', ईरान के लिए यूएस प्रेसिडेंट से क्यों भिड़ गए पोप

ईरान के साथ जारी तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन इस जंग को एक 'धर्म युद्ध' की तरह पेश कर रहा है, जिसमें ट्रम्प को एक मसीहा के रूप में दिखाया जा रहा है। अमेरिकी सेना के अंदर से ऐसी खबरें आ रही हैं कि कमांडर्स सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार करने हेतु बाइबल और 'दुनिया के अंत' जैसी धार्मिक बातों का सहारा ले रहे हैं। जहाँ एक तरफ व्हाइट हाउस में पास्टर्स ट्रंप की शक्ति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कैथोलिक धर्मगुरु पोप लियो ने इस युद्ध को नेताओं का अहंकार बताकर इसकी कड़ी निंदा की है। इस वैचारिक मतभेद के कारण ट्रंप और पोप के बीच जुबानी जंग भी तेज हो गई है, जिससे यह पूरा संघर्ष अब राजनीति से हटकर धर्म के केंद्र पर आ टिका है। यह स्थिति दिखाती है कि कैसे आधुनिक युद्ध को धार्मिक कट्टरता और 'आर्मागडन' जैसी प्राचीन मान्यताओं से जोड़ा जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की वो ट्रुथ सोशल वाली पोस्ट जिसमें उन्होंने खुद को एक मसीहा की तरह दिखाया। प्रेयर्स में कहा गया हम आपकी यानी ईश्वर की कृपा और हमारे सैनिकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं और हमारी सशस्त्र सेनाओं में सेवा दे रहे हमारे सारे पुरुषों और महिलाओं के लिए भी हे परमपिता ईश्वर हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे राष्ट्रपति ट्रम्प को वो ताकत देते रहे जिसकी उन्हें जरूरत है ताकि वो हमारे महान राष्ट्र का नेतृत्व कर सकें। ओवल ऑफिस से शायद ही पहले किसी युद्ध के बीच इस तरह का वीडियो पब्लिक डोमेन में आया हो। जैसा ट्रंप के लिए प्रार्थना का वीडियो ईरान से जंग के बीच आया।

द गार्डियन की रिपोर्ट में लिखा है अमेरिकी सेना के सैन्य कमांडर्स ईरान वॉर में शामिल होने को सही ठहराने के लिए सैनिकों के सामने बाइबल के एंड टाइम्स यानी दुनिया के अंत से जुड़ी कट्टर ईसाई बयानबाजी का इस्तेमाल कर रहे हैं। एक निगरानी संस्था के पास आई शिकायतों में यह आरोप कमांडर्स पर लगाया गया है। संगठन का नाम मिलिट्री रिलीजियस फ्रीडम फाउंडेशन यानी एमआरएफएफ है। एमआरएफएफ का कहना है कि उसे यूएस आर्म्ड फोर्सेस के अलग-अलग हिस्सों से 200 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं। जिनमें मरींस, एयर फोर्स और स्पेस फोर्स के सदस्य भी शामिल हैं। इसमें यूएस मिलिट्री के एक नॉन कमिशंड ऑफिसर यानी एनसीओ के हवाले से बड़ा आरोप लगाया गया। एनसीओ ने अपनी शिकायत में बताया हमसे कहा गया है कि प्रेसिडेंट ट्रंप को जीसस ने ईरान में सिग्नल फायर जलाने के लिए चुना है ताकि आर्मागडन हो और धरती पर उनकी यानी ईसा मसीह की वापसी हो। इसके अलावा जब धार्मिक प्रभाव को लेकर अमेरिकी रक्षा मंत्रालय से सवाल किया जाता है तो सोर्सेज और समर्थक जवाब देते हैं। जंग में तो हमेशा से ही धर्म और आस्था के जरिए फौजियों का हौसला बढ़ाया जाता रहा है। इसी तरह धार्मिक कट्टरपंथी के आरोप अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अगवा यूएस डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेग्जेथ पर भी लगते रहे हैं। रिलीजियस एक्सट्रीमिज्म के स्कॉलर मैथ्यू डी टेलर ने इस बारे में कहा पीट हेगथ की लीडरशिप में अमेरिका जानबूझकर एक मुस्लिम मुल्क के खिलाफ जंग में जा रहा है। ये उसी तरह की सिचुएशन है जिसके बारे में मेरे जैसे लोग इलेक्शन और पीठ के अपॉइंटमेंट से पहले से ही वार्म करते आ रहे हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री पीट हेक्सेथ ये भी कह चुके हैं कि यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका एक क्रिश्चियन देश है और वही हमारा देश आज भी फॉलो करता है। इसके अलावा एक और शब्द पर गौर कीजिए। आर्मागडन जिसका जिक्र यूएस के नॉन कमिश्नंड ऑफिसर ने अपनी शिकायत में किया था। यह शब्द ईसाई धार्मिक ग्रंथ बाइबल से आता है। बाइबल में आर्मागडन का मतलब उस आखिरी जंग से है जो बुराई और अच्छाई के बीच होगी। अब इसी शब्द का इस्तेमाल अमेरिका में ईरान के खिलाफ जंग के लिए किया जा रहा है।

अमेरिकन अथॉरिटीज या तो इसे एक धर्म युद्ध की तरह खुद देख रही है या फिर दिखाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन अगर कैथोलिक क्रिश्चियन के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप लियो की बातों पर गौर करें तो वो साफ-साफ इस युद्ध के खिलाफ हैं। यही वजह है कि डॉनल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन खुले शब्दों में पोप लियो के खिलाफ बोल रहा है। इस तकरार की शुरुआत पहले ही हो चुकी थी लेकिन 11 अप्रैल को ये एक बड़े स्तर पर पहुंच गई। तब पोप लियो ने एकदम कड़े शब्दों में कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की जंग सर्वशक्तिमान होने के भ्रम की वजह से बढ़ाई जा रही है। ट्रंप की ओर इशारा था शायद और उन्होंने इस सोच की निंदा की। साथ ही पोप लियो ने अमेरिकी नेताओं से जंग रोकने और शांति के लिए बातचीत का रास्ता अपनाने की मांग की।

पोप लियो XIV ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दुनिया को युद्ध और हिंसा की सोच से बाहर निकलना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज दुनिया को जो संदेश सुनने की जरूरत है', वह शांति और संवाद का है। कैमरून की यात्रा पर रवाना लियो ने पोप के विशेष विमान में संवाददाताओं से बातचीत में यह टिप्पणी की। हालांकि, उन्होंने न तो ट्रंप के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया और न ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इस सुझाव का कि पोप को धर्मशास्त्र के बारे में बोलते समय 'सावधानी बरतनी चाहिए।' लियो ने सवालों के जवाब देने से भी परहेज किया। इसके बजाय उन्होंने अल्जीरिया की अपनी यात्रा और हिप्पो के संत ऑगस्टीन की शिक्षाओं के बारे में बात की, जो उनके आध्यात्मिक प्रेरणास्रोत थे। हालांकि, लियो ने कुछ ऐसी टिप्पणियां भी कीं, जिनसे संकेत मिलता है कि उन्होंने ईरान युद्ध को लेकर शांति की अपनी अपील को लेकर ट्रंप प्रशासन की ओर से की गई आलोचनाओं को नजरअंदाज नहीं किया है। ट्रंप ने पिछले कुछ दिनों में पोप पर लगातार तीखे हमले किए हैं। उन्होंने लियो पर अपराध के खिलाफ कमजोर रुख अपनाने और वामपंथियों के प्रभाव में होने का आरोप लगाया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने पोप के इस रुख पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल के महीनों में हजारों निहत्थे प्रदर्शनकारियों को मार दिया है और ऐसे देश को परमाणु हथियार हासिल करने देना पूरी तरह अस्वीकार्य है। ल ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोप की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि पोप का रुख वास्तविकता से दूर है। ट्रंप ने पहले भी पोप की आलोचना करते हुए उन्हें कमजोर बताया था और माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि वे पोप की राय से सहमत नहीं हैं और अपनी नीतियों पर कायम रहेंगे।

कैसे सुधरे भारतीय पुलिस स्टेशनों की दयनीय स्थिति

आज जब सरकार 'डिजिटल इंडिया' और 'मॉडर्न पुलिसिंग' का नारा लगाती है, तब भी देश के अधिकांश पुलिस स्टेशन उसी औपनिवेशिक युग की इमारतों में कैद हैं। बुनियादी सुविधाओं की कमी, जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर और पुरानी व्यवस्था न केवल पुलिस कर्मियों के काम को बाधित कर रही है, बल्कि आम जनता के लिए भी ये स्टेशन आतंक का प्रतीक बने हुए हैं। 2025 की इंडिया जस्टिस रिपोर्ट के अनुसार, 83 प्रतिशत पुलिस स्टेशनों में कम से कम एक सी.सी.टी.वी. कैमरा जरूर लगा है लेकिन ऐसे कई मामले हैं जिनमें सुप्रीम कोर्ट के मानकों का पालन असंगत है। 78 प्रतिशत स्टेशनों में महिला हैल्पडैस्क बने हैं, फिर भी महिला पुलिसकर्मियों का राष्ट्रीय औसत मात्र 12 प्रतिशत है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्टेशनों की संख्या 2017-22 के बीच 7 प्रतिशत घट गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में 4 प्रतिशत बढ़ी।

जनवरी 2023 के केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 17,849 पुलिस स्टेशन हैं, जिनमें से 58 में वाहन नहीं, 680 में लैंडलाइन फोन नहीं और 282 में मोबाइल फोन तक नहीं हैं। कई स्टेशनों में बिजली, इंटरनैट और डिजिटल साक्षरता की भारी कमी है। बी.पी.आर.डी. (ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डिवैल्पमैंट) ने आधुनिक पुलिस स्टेशन भवनों के लिए मानक तय किए हैं, जिनमें आगंतुकों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, जांच कक्ष और रिकॉर्ड रूम शामिल हैं लेकिन ज्यादातर राज्यों में इनका पालन नाममात्र का है। असिस्टैंस टू स्टेट्स फॉर मॉडर्नाइजेशन ऑफ पुलिस (ए.एस.यू.एम.पी.) योजना के तहत केंद्र ने 2025-26 में 540 करोड़ रुपए आबंटित किए लेकिन इसमें भी उपयोगिता कम पाई गई।

सवाल उठता है कि यह जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर पुलिस के कार्य को किस तरह बाधित कर रहा है? स्टेशन हाऊस ऑफिसर (एस.एच.ओ.) को 24 घंटे ड्यूटी पर रहना पड़ता है लेकिन ज्यादातर थानों में न तो आराम कक्ष ठीक हैं, न बैरक स्वच्छ। मैनुअल पेपरवर्क, पुराने रिकॉर्ड और भीड़भाड़ के कारण जांच में देरी होती है। जनता शिकायत दर्ज कराने आती है तो प्रतीक्षा कक्ष न होने से खुले में खड़ी रहती है। महिला आगंतुकों के लिए अलग शौचालय की कमी आम है। परिणामस्वरूप, पुलिस पर भरोसा घटता है और अपराधी लाभ उठाते हैं। सबसे दर्दनाक स्थिति मालखाने (पुलिस रिकॉर्ड रूम) की है। यहां सबूत, हथियार, नशीले पदार्थ और संपत्ति रखी जाती है लेकिन ज्यादातर स्टेशनों में यह कमरा गंदा, भीड़भाड़ वाला और असुरक्षित होता है। मैनुअल रजिस्टर, चूहों-कीड़ों का आतंक और अपर्याप्त जगह के कारण सबूत बिगड़ जाते हैं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 2024 में चूहों द्वारा सबूत नष्ट होने पर डी.जी.पी. को आदेश दिया था कि मालखाने की नियमित देखभाल हो। दिल्ली के कई स्टेशनों में एक मालखाना अधिकारी के पास हजारों एग्जिबिट्स होते हैं, लेकिन स्टाफ की कमी से घंटों खोजबीन करनी पड़ती है। इससे सबूतों से छेड़छाड़, गुम होने या अदालत में अस्वीकार होने की घटनाएं आम हैं। कुछ राज्यों में ई-मालखाना शुरू हुआ है, जहां बारकोड और डिजिटल ट्रैकिंग से पारदर्शिता आई लेकिन यह पूरे देश में लागू नहीं हुआ।

इसी तरह, जब्त वाहनों की समस्या पर्यावरणीय आपदा बन चुकी है। देश भर के पुलिस स्टेशनों में हजारों जब्त कारें, बाइक व अन्य छोटे-बड़े वाहन सड़ रहे हैं, जो कि थानों से सटी सड़कों पर खड़े रहते हैं और यातायात बाधित करते हैं। आग लगने का जोखिम तो हमेशा बना ही रहता है। पंजाब सरकार ने हाल ही में आदेश दिया कि सभी जब्त वाहन शहर से बाहर स्क्रैप यार्ड में शिफ्ट किए जाएं लेकिन अन्य राज्यों में ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में सुधार कैसे हो? सबसे पहले, बी.पी.आर.डी. के मॉडल पुलिस स्टेशन मानकों को सख्ती से लागू किया जाए। हर स्टेशन में डिजिटल रिकॉर्ड रूम (ई-मालखाना), सी.सी.टी.वी. नाइट विजन, पर्याप्त शौचालय, प्रतीक्षा कक्ष और महिला हैल्पडैस्क अनिवार्य हों। नियम उल्लंघन के बाद जब्त वाहनों के लिए अलग-अलग डिस्पोजल यार्ड और ऑनलाइन नीलामी की व्यवस्था हो, ताकि 30 दिनों में उन्हें हटाया जा सके। पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर बैरक, कैंटीन और प्रशिक्षण सुविधाएं जरूरी हों। जनता के लिए थाने 'यूजर फ्रैंडली' बनाने के लिए शिकायत पोर्टल, हैल्पडैस्क और कम्युनिटी पोलिसिंग को बढ़ावा दें।

गौरतलब है कि पुलिस सुधार समितियों ने इन मुद्दों पर बार-बार आवाज उठाई। 1977-81 के नैशनल पुलिस कमीशन ने बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और स्वायत्तता पर जोर दिया। रिबेरो, पद्मनाभैया और मलीमाथ समितियों ने भी यही सिफारिशें कीं। 2006 में प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 7 ऐतिहासिक निर्देश दिए। राज्य सुरक्षा आयोग का गठन, डी.जी.पी. की 2 साल की न्यूनतम अवधि, एस.पी. और एस.एच.ओ. की स्थिरता, जांच और कानून-व्यवस्था का अलगाव, पुलिस स्थापना बोर्ड, शिकायत प्राधिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग। लेकिन ज्यादातर राज्य इन्हें लागू करने में असफल रहे। थॉमस कमेटी (2008) ने राज्यों की उदासीनता पर दुख जताया। कारण स्पष्ट हैं, पुलिस राज्य विषय है, जहां राजनीतिक दखल, फंड का दुरुपयोग और सुधारों से सत्ता के लिए खतरा बना रहता है। मॉडल पुलिस एक्ट 2006 को भी सिर्फ कुछ राज्यों ने ही अपनाया है। आज जरूरत है मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की। केंद्र सरकार ए.एस.यू.एम.पी. फंड का पूरा उपयोग सुनिश्चित करे, अनुपालन न करने वाले राज्यों पर कार्रवाई करे और सुप्रीम कोर्ट इसकी नियमित समीक्षा करे।-

क्या शाम के समय एक्सरसाइज करने से नींद पर पड़ता है असर?

कई लोग मानते हैं कि शाम के समय एक्सरसाइज करने से नींद पर बुरा असर पड़ता है। उनका कहना है कि इससे शरीर का तापमान बढ़ जाता है और नींद में खलल पड़ता है। हालांकि, क्या यह सच में सही है या नहीं, इस पर वैज्ञानिक नजरिये से विचार करना जरूरी है। इस लेख में हम इसी भ्रम की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वास्तव में शाम को एक्सरसाइज करने से नींद पर कोई असर पड़ता है या नहीं।

शाम को एक्सरसाइज करने से शरीर का तापमान बढ़ सकता है, लेकिन यह गलतफहमी है कि इससे नींद पर बुरा असर पड़ता है। हमारा शरीर खुद ही तापमान को नियंत्रित कर लेता है। अगर आप नियमित रूप से शाम को एक्सरसाइज करते हैं तो आपका शरीर इससे अभ्यस्त हो जाता है और आपको कोई परेशानी नहीं होती। इसके अलावा हल्की स्ट्रेचिंग या योग करने से भी शरीर का तापमान संतुलित रहता है।

एक्सरसाइज करने से शरीर में एक खास प्रकार का रसायन निकलता है, जो खुशी और सुकून का एहसास दिलाता है। यह सही है कि कुछ लोग इसे नींद में खलल पड़ने का कारण मानते हैं, लेकिन वैज्ञानिक नजरिये से देखा जाए तो यह रसायन आपकी नींद को बेहतर बनाता है। नियमित एक्सरसाइज करने से नींद की गुणवत्ता सुधरती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इसलिए, शाम को एक्सरसाइज करना फायदेमंद हो सकता है।

शाम को एक्सरसाइज करने से मानसिक शांति मिलती है और तनाव कम करने में मदद मिलती है। जब आप नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं तो आपका मन शांत रहता है और आप बेहतर तरीके से सोच पाते हैं। इसके अलावा यह आपकी चिंता और तनाव को भी कम करता है। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। इसलिए, शाम को एक्सरसाइज करना आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। कोई भी आदत बनाने के लिए नियमितता जरूरी होती है। अगर आप शुरूआत में थोड़ी असुविधा महसूस करें तो घबराएं नहीं। धीरे-धीरे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। समय के साथ आपका शरीर इसे अपनाने लगेगा और आपको कोई दिक्कत नहीं होगी। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि शाम को एक्सरसाइज करने से नींद पर बुरा असर पड़ता है या नहीं, इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं में दिया जा सकता है।

भारत को विश्वगुरु बनाना ही आर.एस.एस. का उद्देश्य

'शाखा' जैसी अद्वितीय प्रणाली के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण का कार्य संघ करता है। इसी से लाखों स्वयंसेवक तैयार हुए हैं, जिनके जीवन के आदर्श व्यवहार से समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखता है। संघ की कार्यपद्धति अन्य संगठनों से भिन्न और विशिष्ट है। बाल स्वयंसेवक से लेकर सरसंघचालक तक, सभी एक ही आदेश पर कार्य करते हैं। शाखा में होने वाले छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से अनुशासन और संस्कार विकसित होते हैं। संघ के साथ ही समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वयंसेवकों ने 40 से अधिक संगठनों, जैसे ए.बी.वी.पी., लघु उद्योग भारती, सेवा भारती, विद्या भारती की स्थापना की, जो अपने-अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। ये सभी स्वतंत्र, स्वायत्त और स्वावलंबी संगठन हैं। भारत को पुन: 'विश्वगुरु' के स्थान पर प्रतिष्ठित कर भारत माता को परम वैभव पर ले जाना ही इनका मुख्य उद्देश्य है।

आर.एस.एस. के पहले चार प्रचारक : 1925 में संगठन के रूप में आकार लेने पर आर.एस.एस. के आद्य सरसंघचालक डा. हेडगेवार के सामने चुनौती थी कि संघ के विचारों का देशभर में प्रचार-प्रसार कैसे किया जाए। उन्हें समर्पित, पूर्णकालिक और संघ की भावना में दीक्षित कार्यकर्त्ताओं की तलाश थी। प्राचीन समय में जैसे ऋषि-महर्षि परम्परा थी, जो जीवन प्रणाली का अध्ययन कर अलग-अलग समय पर मनुष्य जीवन में आने वाली समस्या का हल प्राणी मात्र को देते थे, उसी प्रकार प्रचारक भी राष्ट्र निर्माण के कार्य में उत्पन्न विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने में मार्गदर्शन करते हैं। इस परम्परा में पहले 4 प्रचारक थे बाबा साहब आप्टे, दादा राव परमार्थ, रामभाऊ जमगडे और गोपाल राव येरकुंटवार।

2 वर्ष तक प्रशिक्षण के बाद 1929 में डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने प्रचारक व्यवस्था को औपचारिक रूप देने की शुरूआत की। 1930 में जब डा. हेडगेवार सविनय अवज्ञा आंदोलन के लिए जंगल सत्याग्रह में भाग लेने पहुंचे तो सरसंघचालक के पद से इस्तीफा दिया। डा. परांजपे को नया सरसंघचालक बनाया गया। डा. हेडगेवार को पता था कि उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है। 1931 में बाबा साहब आप्टे को डा. हेडगेवार ने जेल से बाहर आने के बाद पूर्णकालिक प्रचारक बनाने के लिए चुना। इस तरह इन चारों को संघ की पहली प्रचारक टोली के तौर पर जाना जाता है। इनमें बाबा साहब आप्टे को प्रथम प्रचारक माना जाता है। संघ के पहले पूर्णकालिक प्रचारकों की दीक्षा के लिए एक छोटा सा कार्यक्रम नागपुर में रखा गया, जहां प्रमुख स्वयंसेवक उपस्थित थे। उसी कार्यक्रम में डा. हेडगेवार का छोटा सा सम्बोधन हुआ, जिसमें संगठन का संकल्प और प्रचारकों का जीवन साधुओं की तरह होना चाहिए, इसी पर उनका जोर था। उसके बाद उनके केन्द्र बताए गए कि उनको प्रचार के लिए किस शहर या प्रांत में जाना है।

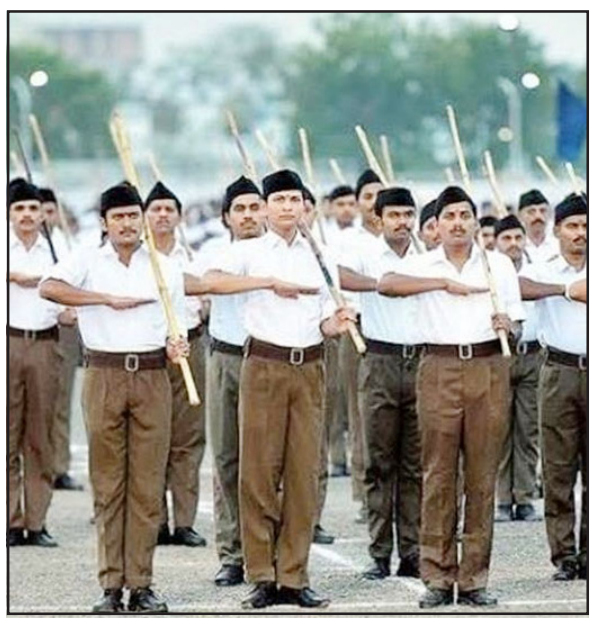

उत्तर-पूर्व में 'संघ के बीज' बोने वाले पहले प्रचारक : दादाराव परमार्थ यानी गोविंद सीताराम परमार्थ नागपुर के रहने वाले थे। 10वीं की परीक्षा की उत्तरपुस्तिका में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। अध्यापकों ने उन्हें फेल कर दिया, अत: वह पढ़ाई छोड़कर डा. हेडगेवार के साथ जुड़े और स्वयंसेवक बन गए। 1930 के जंगल सत्याग्रह में डा. हेडगेवार के साथ गए और जेल भी गए। बीमार पड़े तो जेल में डा. हेडगेवार ने ही उनकी देखभाल की थी। उत्तर पूर्व में संघ का कार्य विस्तार करने वाले वह पहले प्रचारक थे।

भविष्य के प्रचारकों को जोड़ने वाले गोपाल राव येरकुंटवार : गोपाल राव येरकुंटवार ने उस दौर में जितने समर्पित प्रचारकों को तैयार किया, शायद ही किसी ने किया होगा। उनमें से एक थे भास्कर राव कलाम्बी, जिन्हें वनवासी कल्याण आश्रम के काम को शुरू करने का श्रेय जाता है। पंजाब में शुरुआत में संघ पताका फहराने वाल मोरेश्वर राघव या मोरूभाई मुंजे को भी गोपाल राव लेकर आए थे। इन सभी प्रचारकों के नाम संघ के इतिहास में कई तरह की उपलब्धियां दर्ज हैं। केशव आप्टे ने तो 33 श्लोक का एक 'भारतभक्ति श्रोत' रच डाला था। उनका दशकों तक भारत के इतिहास के पुनर्लेखन पर काम चलता रहा। आप्टे ने कभी अपने हाथ से लिखकर 'दासबोध' और टाइप करके वीर सावरकर की किताब '1857 स्वातंत्र्य समर' अनेक नवयुवकों को उपलब्ध करवाई थी।

आर.एस.एस. के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत जी के शब्दों में, ''हम लोग, अपनी दृष्टि से विचार करके जो अच्छा लगता है, वह बोल सकते हैं। जो खराब लगता है, वह भी बोल सकते हैं। लेकिन बोलने के पीछे कोई विरोध की भावना नहीं है। संघ न किसी विरोध में चलता है और न किसी बैर भाव से। 'न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर।' और दोस्ती कहें तो सब अपने हैं। सबके प्रति प्रेम है। उस प्रेम के आधार पर और स्वयंसेवकों की निष्ठा, तपस्या के आधार पर हम यहां तक पहुंचे हैं।

कितने बड़े त्याग हुए, कितने बड़े बलिदान हुए, उस पर हम खड़े हैं। यह हम जानते हैं। उनके प्रति मन में जो भाव है, उसका वर्णन मैं नहीं कर सकता। संघ को हमको आगे ले जाना है। क्यों ले जाना है, क्योंकि भारत को खड़ा करना है।''

'विद्या बालन को फॉलो कर ज्योतिका ने 3 महीने में घटाया 9 किलो वजन

ज्योतिका ने वेट लॉस के लिए विद्या बालन को धन्यवाद दिया है, क्योंकि पिछले साल विद्या ने अपने वजन कम करने की जर्नी के बारे में बताया था और उसी को फॉलो कर ज्योतिका ने भी खुद को फिट किया है।पिछले साल अक्टूबर में विद्या बालन ने अपने वेट लॉस की जर्नी के बारे में बताया था और उनकी जर्नी से इंस्पायर होकर एक और एक्ट्रेस ने अपना वजन कम किया है। ज्योतिका जो साउथ और बॉलीवुड दोनों ही इंडस्ट्री में एक्टिव हैं, उन्होंने 3 महीने में 9 किलो वजन घटाया है और इसके बारे में बात की। इसके लिए उन्होंने सबसे पहले विद्या बालन को धन्यवाद किया।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, धन्यवाद, अमुरा, सिर्फ 3 महीने में 9 किलो वजन घटाने और मुझे अपने भीतर के व्यक्तित्व को फिर से खोजने में मदद करने के लिए! इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिटनेस जर्नी का श्रेय विद्या बालन को दिया। उन्होंने लिखा, सबसे पहले, एक्ट्रेस विद्या बालन को बहुत-बहुत धन्यवादज्बता दें कि विद्या बालन ने बिना जिए गए अपना कई किलो वजन कम किया है। उनके बाद ज्योतिका ने भी अपनी फिटनेस जर्नी शुरू की और आज वो अपने वेट लॉस से काफी खुश हैं। विद्या ने चेन्नई बेस्ड अमूरा हेल्थ की मदद से अपना वजन कम किया था, ज्योतिका ने भी उनकी मदद से खुद को फिट किया है।'देश रो रहा और ये कपल कंटेंट में बिजी', पहलगाम आतंकी हमले के बाद शोएब इब्राहिम-दीपिका कक्कड़ पर भड़के लोग'किसिंग विसिंग कीज?', महेश भट्ट और पूजा की लिप किस वाली तस्वीर पर राहुल भट्ट ने दिया रिएक्शन, बोले- हमने बचपन से देखा है यारअपनी पोस्ट में ज्योतिका ने लिखा, वेट मैनेजमेंट मेरे लिए हमेशा से ही एक स्ट्रगल रहा है। हेवी वर्कआउट, कभी ना खत्म होने वाली डाइट और इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से भी कोई फायदा नहीं हुआ। लेकिन अमुरा के साथ, आखिरकार ये हो गया। ज्योतिका ने बिना डाइटिंग किए और घंटों तक ट्रेडमिल पर दौड़े बिना ज्योतिका को अच्छा रिजल्ट मिला है।'सत्या' ना होती तो कहां होता मनोज बाजपेयी का करियर? पहले ऑफर हुआ था सत्या का रोल फिर कैसे बने भीखू म्हात्रे, जानिए फुल फ्लैशबैकउन्होंने अपनी गट हेल्थ के बारे में जाना, इन्फ्लेमेश के बारे में समझा और उन्हें समझ आया कि एक बैलेंस डाइट उनके लिए सही साबित हो सकती है। उन्होंने बताया, मैं पिछले कई सालों से ज्यादा एनर्जेटिक और कॉन्फिडेंट महसूस कर रही हूं।

स्पाई थ्रिलर में लगेगा कॉमेडी का तड़का

बॉलीवुड में स्पाई फिल्मों का ट्रेंड पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ रहा है, लेकिन जब इस जॉनर में कॉमेडी का तड़का लगाया जाए तो मामला और दिलचस्प हो जाता है. अब इसी फॉर्मूले को लेकर एक नई फिल्म सामने आई है, जिसका नाम 'उड़ता तीर' है. फिल्म में आयुष्मान खुराना और सारा अली खान नजर आने वाले हैं. ये फिल्म जासूसी की दुनिया को गंभीर नहीं बल्कि हल्के-फुल्के, मजेदार और मनोरंजक अंदाज में पेश करने वाली है, अब फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है.

अपकमिंग स्पाई-कॉमेडी फिल्म 'उड़ता तीर' लोगों के बीच चर्चा में बना हुआ है. इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान होते ही ये प्रोजेक्ट चर्चा में आ गया है. खास बात यह है कि फिल्म को एक हाई-एनर्जी स्पाई कॉमेडी के तौर पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें स्पाई मिशन, एक्शन और कॉमेडी का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा. 'उड़ता तीर' को 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. लंबे समय से इस प्रोजेक्ट को लेकर खबरें आ रही थीं, लेकिन अब रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है.

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की ये फिल्म इस साल दोनों की साथ में दूसरी फिल्म है. इसके अलावा दोनों 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आने वाले हैं, जो कि 11 मई को रिलीज होगी. आयुष्मान अपनी यूनिक स्क्रिप्ट्स और अलग तरह की कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं, वहीं सारा अली खान का चुलबुला अंदाज इस फिल्म में अलग रंग भर सकता है. ऐसे में दोनों की केमिस्ट्री को लेकर अभी से चर्चाएं शुरू हो गई हैं. माना जा रहा है कि फिल्म में जासूसी मिशन के बीच कॉमेडी देखने को मिलेगी, जो इसे स्पाई फिल्मों से अलग बनाएंगी.इस फिल्म का डायरेक्शन आकाश ए कौशिक कर रहे हैं. दिलचस्प बात ये भी है कि उन्होंने फिल्म की कहानी भी खुद लिखी है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि कहानी में नया और अलग अंदाज़ देखने को मिलेगा. वहीं प्रोडक्शन की बात करें तो करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्वा मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन जैसे बड़े नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं, जिससे फिल्म का स्केल भी बड़ा माना जा रहा है. बताया जा रहा है कि फिल्म में एक खास देशभक्ति गाना भी होने वाला है।

डिटेलिंग ने उड़ाए होश

'पीक डिटेलिंग' का ट्रेंड इन दिनों फिल्मों में खूब चर्चा में है, खासकर जब से 'धुरंधर' को लेकर सोशल मीडिया पर इसकी बात हो रही है. आदित्य धर की डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की रिलीज होने के बाद से लोगों ने इसके सीन में से कई पीक डिटेलिंग निकाली थी. लेकिन, जहां अभी इसको लेकर बात हो रही है, तो बता दें कि बॉलीवुड की फिल्मों में पीक डिटेलिंग का ट्रेंड काफी पुराना है, जिसे अब ऑडियंस नोटिस कर रही है. जिस फिल्म की पीक डिटेलिंग की हम बात कर रहे हैं, वो शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'ओम शांति ओम' है.

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'ओम शांति ओम' लोगों को खूब पसंद आई थी. आज भी इस फिल्म का क्रेज लोगों में देखने को मिलता है. फिल्म को फराह खान ने डायरेक्ट किया था, हालांकि फिल्म की काफी बार चर्चा हो चुकी है, लेकिन इस बार इस फिल्म की डिटेलिंग पर लोग बात कर रहे हैं. 19 साल पुरानी फिल्म 'ओम शांति ओम' का एक सीन फिर चर्चा में आ गया है, जिसमें दिखाई गई डिटेलिंग ने फैंस को हैरान कर दिया है. फिल्म का यह छोटा सा मोमेंट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग इसे उस दौर की 'पीक डिटेलिंग' बता रहे हैं.

खास सीन की हो रही चर्चा

दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस क्लिप में फिल्म के एक सीन को लेकर खास बात बताई जा रही है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी इतनी बारीकी से नोटिस नहीं किया था. ये सीन तब का है, जब दीपिका का किरदार शांति शाहरुख से थैंक्यू कहता है, जिसके बाद शाहरुख के किरदार ओम का डायलॉग होता है दोस्ती का एक उसूल है मैडम, दोस्ती में नौ सॉरी, नौ थैंक्यू. इस पर शांति पूछती है कि ये किसी फिल्म का डायलॉग है, तो ओम का दोस्त जवाब देता है कि अब तक तो नहीं.

'मैंने प्यार किया' से कनेक्शन

लेकिन, अब पीक डिटेलिंग की बात करें, तो शांति और ओम का सीन का समय 1970-80 के बीच के दौर का दिखाया जाता है. तो सीन में ध्यान देने वाली चीज ये है कि जब सीन खतिम होता है तो कैमरा एंगल साइड में खड़े एक शख्स पर जाता है, जो ये डायलॉग लिख रहा होता है और इसने एक टोपी लगाई होती है, जिस पर फ्रेंड्स लिखा होता है. कमाल की बात ये है कि उस शख्स का नाम सूरज होता है. अब मुद्दे पर आएं, तो ये डायलॉग असल में साल 1989 में आई फिल्म 'मैंने प्यार किया' का है.'मैंने प्यार किया' को सूरज बड़जात्या ने डायरेक्ट किया है और फिल्म में फ्रेंड्स लिखी टोपी का भी इस्तेमाल किया गया है. इससे ये पता लगता है कि फराह खान ने अपनी फिल्म 'ओम शांति ओम' में ये दिखाने की कोशिश की है कि 'ओम शांति ओम' में हुए उस सीन के बाद सूरज बड़जात्या ने ओम के बोले डायलॉग तो अपनी फिल्म में ले लेते हैं. अब ये सीन सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है, जिसके बाद से फराह की जमकर तारीफ हो रही है।

पैसे बचाने के लिए पानी पीकर पूरे दिन गुजारा करती थीं ये नुसरत, स्ट्रगल यादकर छलका दर्द

नुसरत ने अपने कॉलेज के दिनों को याद किया. उन्होंने कहा जब मैं कॉलेज में थी तो वहां सिर्फ एक ही चीज थी जो फ्री में मिलती थी. और वो था पानी.कॉलेज में हर जगह पानी के टैंक्स रखे थे. मुझे सुबह से रात जब भी भूख लगती थी तो मैं सिर्फ पानी पीती थी. ऐसा नहीं है कि मेरे पेरेंट्स के पास पैसा नहीं था.

नुसरत ने आगे कहा- ऐसा नहीं था कि मेरे पेरेंट्स मुझे पैसा नहीं देते थे या दे नहीं सकते थे. मेरे अंदर एक बात घर कर गई थी कि मुझे पैसे बचाने हैं.मैं जब दोस्तों के साथ बाहर डिनर के लिए भी जाती थी तो वहां पर बस बैठ जाती थी. पैसे बचाने का कीड़ा इतना हो गया था.नुसरत ने कहा-मैं कुछ खाने के लिए ऑर्डर ही नहीं करती थी. मैं बस दोस्तों के साथ बैठकर वहां से आ जाती थी.नुसरत ने बॉलीवुड में 2006 में आई फिल्म जय संतोषी मां से डेब्यू किया था. इसके बाद से वो कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. उन्हें प्यार का पंचनामा से पहचान मिली थी. नुसरत की फिल्म छोरी 2 की बात करें तो ये प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है. फिल्म में नुसरत के साथ सोहा अली खान अहम किरदार निभाती नजर आई हैं. सोहा ने लंबे समय के बाद एक्टिंग में कमबैक किया है.

तेजस्वी ने शादी पर तोड़ी चुप्पी

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. अक्सर दोनों की शादी को लेकर रूमर्स उड़ती रहती है. इसी बीच एक बार फिर कपल की शादी की खबरें फैलने लगीं. एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने अपने लंबे समय के पार्टनर करण कुंद्रा के साथ शादी को लेकर हाल ही में फैल रही खबरों पर जवाब दिया है. तेजस्वी और करण 'बिग बॉस 15' के वक्त से ही एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. बीते दिनों अपनी गुपचुप शादी को लेकर काफी चर्चा में रहा है. हालांकि, तेजस्वी ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया है और साफ कहा है कि फिलहाल उनका शादी की कोई प्लान नहीं है.जब से करण और तेजस्वी ने अपना रिलेशनशिप पब्लिक किया है, तभी से फैंस इनकी शादी का इंतजार कर रहे हैं. आए दिन दोनों की शादी की खबर सामने आती रहती है. फैंस को उम्मीद है कि कपल इसी साल शादी के बंधन में बंध जाएगा. इसी बीच ऐसी अफवाह उड़ी कि तेजस्वी और करण ने सीक्रेट वेडिंग कर ली है. अब इन अफवाहों को तेजस्वी ने एक सिरे से नकार दिया है और शादी को लेकर अपना प्लान बताया है.बॉम्बे टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में तेजस्वी ने अपनी शादी की प्लानिंग जुड़ी अफवाहों पर बात करते हुए, ऐसा अभी जल्द ही नहीं होने वाला है. तेजस्वी प्रकाश के इस बयान से साफ हो गया कि कपल का फिलहाल शादी करने का कोई इरादा नहीं है. आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही कपल एक ही घर में शिफ्ट हुआ था. उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स पर साथ मिलकर काम भी किया है।

2027 की ऐतिहासिक डिजिटल जनगणना की तैयारी तेज, बक्सर में SDO अविनाश कुमार ने लोगों को किया जागरूक

बक्सर (संवाददाता)।

बक्सर में शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय में वर्ष 2027 में प्रस्तावित जनगणना के प्रथम चरण की तैयारियों को लेकर एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश में पहली बार पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होने वाली स्वजनगणना के बारे में विस्तृत जानकारी देना और इसके सफल संचालन के लिए आमजन को जागरूक करना था।

बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसके अलावा शहर के प्रबुद्ध नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता, जनप्रतिनिधि और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़े डीलरों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि इस बार जनगणना पारंपरिक पद्धति से हटकर पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और त्रुटिरहित बन सकेगी। अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2027 की जनगणना देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगी। उन्होंने बताया कि 'स्वजनगणना' की अवधारणा के तहत नागरिक स्वयं अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए एक विशेष पोर्टल और मोबाइल एप तैयार किया जा रहा है, जिसके माध्यम से लोग घर बैठे ही अपने परिवार से संबंधित सभी आवश्यक विवरण भर पाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इस नई प्रणाली से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि आंकड़ों की शुद्धता भी सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही, डेटा संग्रहण और विश्लेषण की प्रक्रिया भी पहले की तुलना में अधिक प्रभावी और तेज होगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक लोग स्वयं इस डिजिटल प्रक्रिया में भाग लें, ताकि जनगणना का कार्य सुचारू रूप से और समय पर पूरा किया जा सके।

बैठक के दौरान प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी ने उपस्थित लोगों को चरणबद्ध तरीके से स्वजनगणना की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि नागरिकों को सबसे पहले पोर्टल या मोबाइल एप पर पंजीकरण करना होगा, जिसके बाद परिवार के प्रत्येक सदस्य से संबंधित जानकारी जैसे नाम, आयु, शिक्षा, व्यवसाय और अन्य आवश्यक विवरण सावधानी पूर्वक भरने होंगे। उन्होंने यह भी जोर दिया कि जानकारी भरते समय किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही आंकड़े भविष्य की सरकारी योजनाओं और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम में डिजिटल माध्यम के उपयोग को लेकर लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कई प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया। विशेष रूप से यह बताया गया कि जिन लोगों को डिजिटल उपकरणों के उपयोग में कठिनाई होती है, उनके लिए प्रशासन द्वारा सहायता की व्यवस्था भी की जाएगी। बैठक के अंत में अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी उपस्थित लोगों से अपील की कि वे न केवल स्वयं स्वजनगणना में भाग लें, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि यह एक राष्ट्रीय अभियान है और इसकी सफलता में हर नागरिक की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

प्रशासन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि 2027 की डिजिटल जनगणना केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सही और सटीक आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की योजनाओं का निर्माण किया जाएगा, जिससे समाज के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाया जा सके। इस बैठक के माध्यम से प्रशासन ने जनभागीदारी को केंद्र में रखते हुए डिजिटल जनगणना को सफल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है।

हफ्तेभर से नाले की सफाई अधूरी, सड़क पर पड़े स्लैब से बढ़ी मुसीबत

बक्सर (संवाददाता)। शहर के महात्मा गांधी बड़ा बाजार इलाके में नगर परिषद की लापरवाही का खामियाजा स्थानीय लोगों और व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है। करीब 500 गज लंबे नाले की सफाई के लिए एक सप्ताह पहले जेसीबी मशीन से दर्जनों स्लैब हटाए गए थे, लेकिन इसके बाद सफाई कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। हटाए गए स्लैब अब तक सड़क पर ही पड़े हुए हैं, जिससे न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि आम लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

जलजमाव और बीमारी का खतरा गहराया

यह क्षेत्र शहर का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र माना जाता है, जहां हर दिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं। सप्ताह में गुरुवार और रविवार को लगने वाली साप्ताहिक मंडी के दौरान यहां भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। इसके अलावा अन्य दिनों में भी सब्जियों की थोक मंडी लगती है, जिससे पूरे इलाके में लगातार चहल-पहल बनी रहती है। ऐसे में सड़क पर फैले स्लैब और अधूरा पड़ा कार्य व्यवस्था को और बिगाड़ रहा है। सब्जी और अन्य सामान लेकर आने वाले टेंपो, ऑटो और छोटे मालवाहक वाहन बाजार तक पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। कई बार जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती है।

नाले की सफाई अधूरी रहने का सबसे बड़ा असर पास के पंजाबी मोहल्ले में देखने को मिल रहा है। नाला जाम होने के कारण गंदा पानी सड़कों और गलियों में जमा हो गया है। जलजमाव के चलते पूरे इलाके में बदबू फैल रही है और लोगों का घरों से बाहर निकलना भी दूभर हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और डायरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। बीते एक सप्ताह के भीतर ही डायरिया के कुछ मामले सामने आने से लोगों में डर का माहौल है।

मोहल्ले के निवासी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। संजय सिंह ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि कई बार नगर परिषद के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। मुन्ना पांडेय के अनुसार, नाले का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रहा है, जिससे स्थिति और खराब हो रही है। वहीं, रवि सिंह ने कहा कि जलजमाव और गंदगी के कारण अब लोगों को संक्रामक बीमारियों का डर सताने लगा है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि वे नियमित रूप से नगर परिषद को टैक्स देते हैं, लेकिन बदले में उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। सफाई व्यवस्था की इस लापरवाही ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वार्ड पार्षद जगदीश कुमार ने इस मामले पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने नाले की सफाई के लिए संबंधित अधिकारियों और एनजीओ कर्मियों से कई बार सफाईकर्मियों की मांग की, लेकिन अब तक कोई व्यवस्था नहीं हो सकी है।

दो माह से वेतन बकाया, ई-रिक्शा से कचरा उठाने वाली महिलाओं पर गहराया आर्थिक संकट

बक्सर (संवाददाता)। नगर परिषद क्षेत्र में ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रह का कार्य कर रही महिला चालकों के सामने इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। लगातार दो महीनों से मानदेय का भुगतान नहीं होने के बावजूद ये महिलाएं भीषण गर्मी में प्रतिदिन अपनी ड्यूटी निभा रही हैं। वेतन नहीं मिलने से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है और परिवार का भरण-पोषण करना कठिन होता जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, नगर परिषद क्षेत्र में लगभग 27 महिला ई-रिक्शा चालक घर-घर जाकर कचरा उठाने का काम करती हैं। इनकी आय का मुख्य स्रोत यही कार्य है, लेकिन फरवरी और मार्च माह का मानदेय अब तक लंबित है। अप्रैल माह का भी आधा समय बीत चुका है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो गई है। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए ये महिलाएं कर्ज लेने को मजबूर हैं। महिला चालकों ने बताया कि पैसों की कमी के कारण उनके बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। स्कूल की फीस जमा नहीं हो पा रही है और कई परिवारों के सामने भोजन तक की समस्या खड़ी हो गई है। स्थिति इतनी विकट हो गई है कि स्थानीय किराना दुकानदारों ने भी उधार में सामान देना बंद कर दिया है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

इस संबंध में भाकपा-माले से जुड़े मजदूर नेता संजय शर्मा ने बताया कि पहले महिला चालकों को 250 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय दिया जाता था। न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन किया गया, जिसके बाद नगर परिषद प्रशासन ने फरवरी और मार्च माह के लिए 400 रुपये प्रतिदिन तथा 1 अप्रैल 2026 से 528 रुपये प्रतिदिन मानदेय देने का आश्वासन दिया था। इसी भरोसे पर सफाईकर्मियों ने हड़ताल समाप्त कर काम फिर से शुरू कर दिया था। हालांकि, प्रशासन के आश्वासन के बावजूद अब तक फरवरी और मार्च माह का भुगतान नहीं किया गया है। इससे महिला चालकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। संजय शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया गया, तो मजदूरों द्वारा व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

वहीं, नगर परिषद के स्वच्छता पदाधिकारी रवि कुमार सिंह ने बताया कि पहले इन महिला चालकों का भुगतान एक एनजीओ के माध्यम से किया जाता था। अब बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव रखा गया है कि आगे से भुगतान सीधे नगर परिषद द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपस्थिति का सत्यापन करने के बाद मानदेय भुगतान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। फिलहाल, बिना वेतन के काम कर रहीं इन महिला ई-रिक्शा चालकों की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान करने की मांग की है, ताकि वे अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकें और आर्थिक संकट से उबर सकें।

22 अप्रैल को बक्सर में मेगा फ्री हेल्थ कैंप : किडनी, स्किन और दांत रोगों की होगी निशुल्क जांच

बक्सर (संवाददाता)। शहर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। 22 अप्रैल 2026 (बुधवार) को चरित्रवन कॉलेज गेट स्थित प्रकाश यूरो एंड स्टोन क्लिनिक में एक दिवसीय मेगा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बेहतर और मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना है।

इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। किडनी एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शशि प्रकाश, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहन कुमार सिंह, फिजिशियन डॉ. विशाल ओझा और डेंटल सर्जन डॉ. आशुतोष मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान करेंगे। शिविर में किडनी से जुड़ी समस्याएं, त्वचा रोग, दांतों की बीमारियां तथा सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की जाएगी।

शिविर के दौरान मरीजों को न केवल मुफ्त जांच की सुविधा मिलेगी, बल्कि जरूरत के अनुसार दवाइयां भी निशुल्क दी जाएंगी। इसके अलावा, आवश्यक जांच सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे मरीजों को समुचित उपचार मिल सके। इस तरह का आयोजन खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा, जो आर्थिक कारणों से नियमित स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते हैं। क्लिनिक के संचालक प्रेम तिवारी ने बताया कि इस शिविर में आने वाले सभी मरीजों को पूरी तरह निःशुल्क चिकित्सा सुविधा दी जाएगी। उन्होंने शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं और अपनी स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं।

शिविर के सफल आयोजन के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मेडिकल टीम के सदस्य—जीएनएम पूनम पांडेय, एएनएम चंदन यादव, रिंकू शर्मा, शुभम, सरिता चौबे और पूजा कुमारी—व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यह मेगा स्वास्थ्य शिविर 22 अप्रैल को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति 620338856 पर संपर्क कर सकते हैं। यह पहल न केवल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि जरूरतमंद लोगों को समय पर इलाज भी उपलब्ध कराएगी।

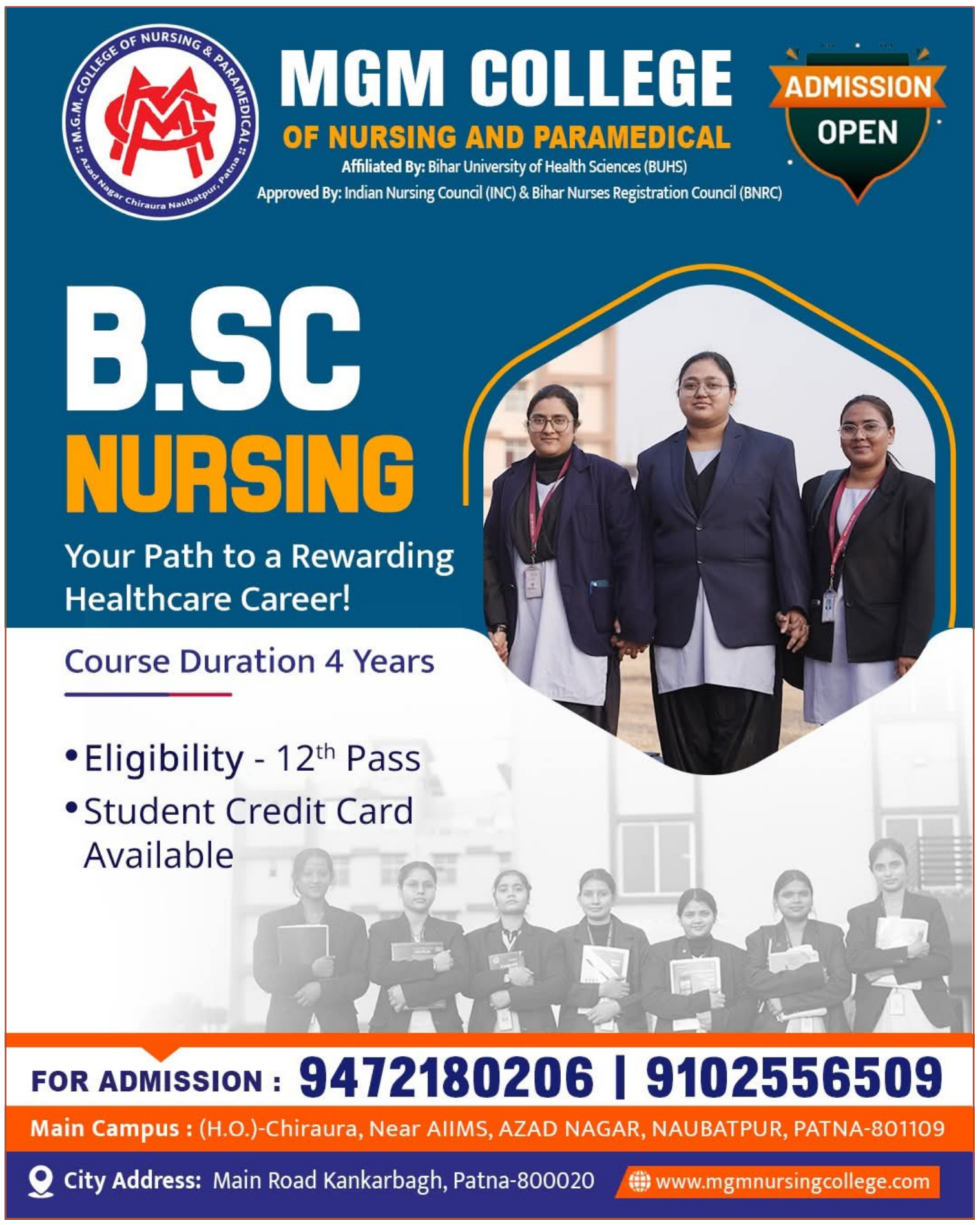

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480